टाइटल कोड: RAJHIN27921



# मरूधर विशेष

वर्ष: 01 अंक: 10 हिन्दी प्रातः कालीन
जयपुर, शुक्रवार, 12 अगस्त, 2022 हिंदी दैनिक पृष्ठ:4 मूल्य: 2 रुपए

## नायडू के नाम पीएम ने लिखा भावुक करने वाला पत्र

### आचार्य विनोबा भावे से की पूर्व उपराष्ट्रपति की तुलना

**नई दिल्ली, (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू के विदाई समारोह के बाद गुरुवार को तीन पेज का एक पत्र लिखा है। इस पत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने वेंकैया नायडू की तुलना आचार्य विनोबा भावे से की है। इसके साथ-साथ प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यसभा की कार्यवाही में काफी सुधार करने के लिए, पहली बार टाइमार को प्रोत्साहित करने, संसद में पहली बार आने वाले सदस्यों को प्रोत्साहित करने और उनके दृढ़ विश्वास और काम करने की ऊर्जा की सराहना की है।

प्रधानमंत्री ने वेंकैया नायडू को लिखे पत्र की शुरुआत में कहा है कि कुछ दिन पहले, मैंने आपकी विदाई के दौरान राज्यसभा के पटल पर बात की थी। उस समय मेरे दिमाग में ढेर सारी यादें ताजा हुई। नेल्लोर की छोटी गलियों से लेकर उपराष्ट्रपति पद तक, आपकी यात्रा एक उत्कृष्ट और प्रेरक यात्रा रही है। आपके विश्वास और विचारधारा के प्रति प्रतिबद्धता की कल्पना की जा सकती है, जिसने आपको एक राजनीतिक आंदोलन और एक ऐसे पार्टी में शामिल होने के लिए प्रेरित किया, जिसकी आपके राज्य में बहुत कम उपस्थिति थी।

#### चीजों को सरल तरीके से व्यक्त करने की क्षमता है

प्रधानमंत्री ने आगे लिखा है कि अभिव्यक्ति हमेशा आपकी सबसे बड़ी ताकत रही है। विनोबा भावे जी के लेखन ने मुझे हमेशा प्रभावित किया है। वह ये जानते थे कि उपयुक्त शब्दों का उपयोग करके चीजों को चटपटा तरीके से कैसे प्रस्तुत किया जा सकता है। जब भी मैं आपको सुनता हूं, मुझे उनके जैसी चमक के रंग दिखाई देते हैं। आपके पास दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने और चीजों को सरल तरीके से व्यक्त करने की क्षमता है।

#### आपके विश्लेषण को सुनते थे बुद्धिजीवी

उन्होंने कहा है कि जब आप पार्टी में एक वरिष्ठ पदाधिकारी थे, तो टॉप लेवल के पत्रकार, संवाददाता, विचारक और बुद्धिजीवी हमेशा जिओ पॉलिटिक्स मुद्दे पर आपके व्यावहारिक और ठोस विश्लेषण को सुनने के लिए उत्सुक रहते थे। इसके साथ-साथ पत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी के रथ यात्रा के दौरान कई बातों का भी जिक्र किया है।

#### चुनौतियों ने आपको बनाया मजबूत

पत्र में उन्होंने आगे कहा कि इतना ही नहीं आपके युवावस्था का अहम समय या तो हमारे लोकतंत्र की रक्षा के लिए किए गए आंदोलन में या फिर एक विधायक या उस पार्टी के नेता के रूप में बीता जो ज्यादातर समय विपक्ष में थी। इस बीच में जब भी आपके सामने कोई चुनौती आई तो उसने आपके काम को और भी साहस के साथ करने के लिए आपके संकल्प को मजबूत किया।

## किडनी दानकर भाई को दिया जीवनदान

### नौ साल बाद मिली डायलिसिस से मुक्ति

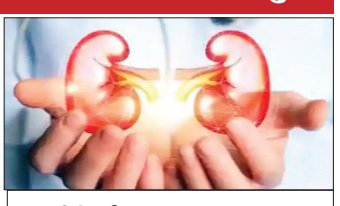



**नई दिल्ली, (एजेंसी)।** बहन से किडनी के रूप में जीवन का उपहार पाकर अमन बत्रा नौ साल बाद अब डायलिसिस से मुक्त हो गए हैं। अब वह अपने भविष्य की योजनाएं बनाने में जुटे हैं। जल्द ही वह एक फीचर फिल्म तथा उसके बाद अपनी प्रेमिका से शादी करने के बारे में सोच रहे हैं। गुरुग्राम में रह रहे 29 वर्षीय पटकथा लेखक 2013 से ही किडनी की बीमारी से ग्रस्त थे। उनके माता-पिता किडनी दान करने में असमर्थ थे।

इसके बाद यह जिम्मा 38 वर्षीय उनकी बहन चंद्रा ग्रोवर ने उठाया। उनकी बहन अपने पति के साथ न्यूजीलैंड में रहती हैं। जब पूरे भारत में अनेक परिवार भाई-बहन के त्यौहार रक्षाबंधन पर्व मनाने में जुटे हैं। ऐसे समय में बत्रा और उनकी बहन, भाई-बहन के अनूठे प्रेम की नई गाथा लिख रहे हैं ।

#### सर्जरी से लगता था डर, फिर भी तैयार हुई बहन

उनकी सर्जरी उनके जन्मदिन के 10 दिन बाद 11 जून को हुई थी। उसी महीने कुछ दिनों बाद उनकी बहन अपने घर लौट गईं। बत्रा को 22 जून को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। बत्रा ने कहा कि मेरे माता-पिता हाई ब्लड प्रेशर से ग्रस्त हैं। मां डायबिटीज की भी मरीज हैं। मेरी बड़ी बहन चार-पांच साल से मेरे पीछे पड़ी थीं और कह रही थीं कि वह अपनी किडनी दे सकती हैं, लेकिन हम ऐसा नहीं चाहत थे क्योंकि बहन को सर्जरी से हमेशा डर लगता था।

#### बत्रा के हाथ पर बना बहन का टैटू

बत्रा ने कहा कि वह (चंद्रा) बहुत नाजुक हैं। जब भी उन्हें कोई सुई लगती है तो वह दर्द के कारण एक हफ्ते तक उस हाथ को पकड़कर रखती हैं, लेकिन वह मेरी खातिर ऑपरेशन के लिए तैयार हो गईं। दोनों भाई-बहन में हमेशा ही गहरा प्रेम रहा है। बत्रा ने कहा कि 2010 में अपनी कलाई पर अपनी बहन के चेहरे का टैटू भी गुदवाया था। इस साल उनका राखी त्योहार डिजिटल होगा।

## एक्सप्रेस न्यूज

#### कैदियों ने किया विशेष योग प्रशिक्षण का अभ्यास

**प्रयागराज (ब्यूरो)।** आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में केंद्रीय कारागार नैनी में पतंजलि योगपीठ इकाई प्रयागराज पूर्व के अधिकृत नोडल प्रभारी वीरेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में चार दिवसीय योग एवं ध्यान शिविर का आयोजन गुरुवार सुबह 7 से 8 के मध्य प्रारंभ हुआ, जिसमें जेल अधीक्षक पीएन पांडे और उप जेल अधीक्षक आरके सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा। योग और ध्यान शिविर में सैकड़ों किशोर बंदी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।

#### पुरोहितों और विद्यार्थियों ने किया पवित्र हेमाद्रि स्नान

**अजमेर, (एजेंसी)।** निकटवर्ती तीर्थराज पुष्कर में गुरुवार को श्रावण मास के आखिरी दिन रक्षाबंधन पर बड़ी संख्या में तीर्थ पुरोहितों एवं विद्यार्थियों ने पवित्र सरोवर के घाटों पर श्रावणी उपाक्रम करते हुए हेमाद्रि स्नान किया। पुष्कर के पवित्र सरोवर के गउ घाट, वराह घाट,तरणि घाट, राम घाट पर वैदिक मंत्रोच्चार एवं पंक्तिबद्ध बैठकर पूजा पाठ किया और बाद में दही, दूध, घास, गोबर, शहद सहित दस तरह की वस्तुओं के साथ सरोवर में 108 बार डुबकी लगाकर धार्मिक स्नान किया।

#### जेल में कैदियों को बहनों ने आकर बांधी राखियां

**अलवर, (एजेंसी)।** रक्षाबंधन पर केंद्रीय कारागृह में भारी भीड़ रही, जहां जेल में बंद कैदियों को उनकी बहनों ने जेल पहुंचकर रक्षा सूत्र बांधा। कैदी भाईयों ने अपनी बहनों को उपहार बतौर वचन दिया कि वे भविष्य में ऐसा कोई कार्य नहीं करेंगे, जिससे उन्हें जेल आना पड़े। कई बहनें अपने भाईयों को रक्षा सूत्र बांधते हुए रो पड़ी। इधर जेल अधीक्षक संजय यादव ने बताया कि रक्षा बंधन पर जेल प्रशासन ने जेल बंद कैदियों को उनकी बहनों से रक्षा सूत्र बंधवाने की व्यवस्था की गई।

## आज का इतिहास

- **1765:** इलाहाबाद संधि के तहत भारत में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन की शुरुआत।
- **1831:** नीदरलैंड और बेल्जियम ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- **1833:** अमेरिका में शिकागो शहर की स्थापना।
- **1908:** हेनरी फोर्ड की कार कंपनी ने पहला कार मॉडल बनाया।
- **1914:** प्रथम विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटेन ने ऑस्ट्रिया-हंगरी पर हमले का ऐलान किया।
- **1919:** भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक वैज्ञानिक विक्रम साराभाई का जन्म।
- **1920:** पोलैंड और रूस के बीच वारसॉ की लड़ाई शुरू हुई।
- **1953:** यूनान के लोनियन द्वीप में भूकंप से 435 लोगों की जानें गई।
- **1960:** नासा ने अपना पहला सफल संचार उपग्रह ईको-ए प्रक्षेपित किया।
- **1964:** दक्षिण अफ्रीका को ओलंपिक खेलों से प्रतिबंधित कर दिया गया।

### बिहार में भाजपा पलेटगी हारी बाजी?

## स्पीकर सिन्हा कर सकते हैं खेला, 15 दिन बढ़ेगी नीतीश कुमार की टेंशन

**पटना ■ एजेंसी**

बिहार की राजनीति में सियासी हलचल धीमी नहीं हुई है। समीकरण बदलने के साथ ही एक-एक दिन अहम हो गया है। कैबिनेट विस्तार पर अटकलों के बीच विधानसभा के अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा का सियासी दांव महागठबंधन के लिए मुश्किलें बढ़ाता दिख रहा है। हालांकि, सत्तारूढ़ दलों ने उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव की प्रक्रिया शुरू कर दी है, लेकिन विधानसभा सत्र के लिए 24 अगस्त तक का इंतजार भारी पड़ सकता है।

**विजय कुमार सिन्हा ने ऐसे बदला सियासी हाल:** सरकार बदलने के साथ ही अध्यक्ष के इस्तीफा देने की संभावनाएं ज्यादा होती है, लेकिन सिन्हा के मामले में ऐसा नहीं है। उन्होंने पद छोड़ने से मना कर दिया है। अब उनके इस कदम के बाद महागठबंधन ने भी स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के लिए नोटिस विधानसभा सचिव को दे दिया। हालांकि, आंकड़े महागठबंधन के पक्ष में हैं और ऐसे में सिन्हा का पद से जाना तय है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने शपथ लेने के बाद दो मंत्रियों की कैबिनेट की बैठक बुलाई। फैसला किया गया कि विश्वास मत हासिल करने 24 अगस्त को सत्र बुलाया जाएगा। अब सवाल है कि जब महागठबंधन के साथ 164 विधायकों का समर्थन है, तो विश्वास मत के लिए एक पखवाड़ा क्यों लग रहा है? इस नोटिस के चलते ही महागठबंधन को 15 दिनों का इंतजार करना पड़ेगा। दरअसल, पूर्व अध्यक्ष विजय कुमार चौधरी कहते हैं कि नियमों के अनुसार, नोटिस को जमा किए जाने के 14 दिन बाद ही उस पर चर्चा हो सकती है और सत्र शुरू होने पर यह सबसे पहला एजेंडा होगा।मुझे भी पता चला है कि महागठबंधन ने अविश्वास नोटिस दिया है। ऐसे में 14 दिनों का समय 23 अगस्त को खत्म हो रहा है और सत्र 24 अगस्त को होगा।

#### बिहार ने वही किया जिसे करने की जरूरत है : तेजस्वी

**पटना, (एजेंसी)।** बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव का मानना है कि राज्य ने पूरे देश के सामने उदाहरण पेश किया है। उन्होंने कहा कि बिहार में महागठबंधन बहुत मजबूत है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस से अलग होकर राष्ट्रीय जनता दल, वाम दलों, कांग्रेस और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा का हाथ थाम लिया था। बुधवार को ही उन्होंने 8वीं बार प्रदेश के सीएम के तौर पर शपथ ली है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यादव ने कहा कि बिहार ने वही किया, जो देश को करने की जरूरत है। हमने उन्हें रास्ता दिखाया है। उन्होंने कहा कि हमारी जंग बेरोजगारी के खिलाफ रही है। हमारे मुख्यमंत्री को गरीबों और युवाओं के दर्द का एहसास है। हम एक महीने के भीतर गरीबों और युवाओं को बंपर नौकरियां देंगे। यह इतना बड़ा होगा कि ऐसा पहले कभी नहीं हुआ होगा। यादव ने कहा कि महागठबंधन या ग्रैंड अलायंस इतना मजबूत है कि विधानसभा में भाजपा अकेली ही विपक्ष बचेगी। भाजपा की तरफ से सांप्रदायिक तनाव फैलाया जा रहा है।

### आस्था की डुबकी

प्रयागराज में गुरुवार को रक्षा बंधन एवं पूर्णिमा पर्व के अवसर पर गंगा नदी में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई।

## नदी में कूदने निकले महंत, समर्थकों ने पुलिस को पीटा

**गाजियाबाद, (एजेंसी)।** गाजियाबाद के नंदग्राम थाने पर बुधवार रात जमकर हंगामा हुआ। हिंडन विहार स्थित बालाजी धाम के महंत मछेन्द्रनाथ पुरी ने समर्थकों के साथ बुधवार रात जमकर हंगामा किया। कुछ विवादों में मुलजिमों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाते हुए नंदग्राम थाने पर धरना देने के महंत ने हिंडन नदी में कूदने का ऐलान कर दिया। रोके जाने पर महंत के समर्थकों पुलिस पर ही हमला कर दिया। इसमें दो सिपाही घायल हुए, इंस्पेक्टर की वर्दी फाड़ दी गई। इसके बाद पुलिस ने सरकारी कार्य में बाधा, आत्महत्या की कोशिश और पुलिस पर हमला करने का केस दर्ज कर महंत मछेन्द्रपुरी समेत 17 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

महंत का आरोप है कि उनके समर्थक को अगवा करने समेत तीन घटनाओं में नंदग्राम पुलिस ने दूसरे समुदाय के आरोपियों का पक्ष लिया और पीड़ित को रातभर थाने में बैठाने के बाद सुबह रिश्वत लेकर छोड़ा। महंत ने दो सिपाहियों के निलंबन और एसएचओ को हटाने के साथ-साथ हिंडन विहार के आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की। महंत ने समर्थकों के साथ थाने पर धरना दिया। बताया जा रहा है कि यहां उन्होंने खुद पर पेट्रोल पर छिड़का, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक लिया।

## प्रयागराज में निकाली गई बाइक पर तिरंगा रैली

**प्रयागराज (ब्यूरो)।** आजादी की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित अमृत महोत्सव के अंतर्गत नागरिक सुरक्षा संगठन द्वारा गुरुवार को नागरिक सुरक्षा नियंत्रण केंद्र से एडीज जोन प्रेम प्रकाश एवं जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री द्वारा हरी झंडी दिखाकर बाइक पर तिरंगा रैली को रवाना किया गया। यह बाइक रैली कचहरी से होते हुए लक्ष्मी टॉकीज, कटरा, एलआईयू ऑफिस, इलाहाबाद युनीवर्सिटी, आनन्द भवन, बालसन चौराहा, चंद्रशेखर आजाद पार्क, हनुमान मंदिर, सुभाष चौक, हाई कोर्ट, खुसरोबाग होकर नीम का पेड, कोतवाली पर जाकर समाप्त हुई। रूट के सभी शहीद स्मारकों यथा-आजाद पार्क, विवेकानंद चौराहा, सुभाष चौराहा, मालवीय चौराहा, अम्बेडकर चौराहा, निकट हाई कोर्ट, छुन्नन गुरू आदि की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर महान विभूतियों को याद करते हुए उनके महान कार्यों के प्रति संकल्प लिया गया।

#### लिया संकल्प

### दिल्ली के एलजी का बड़ा एक्शन

## डीडीए के 9 रिटायर्ड और 2 सेवारत अफसरों पर होगी एफआईआर

**नई दिल्ली, (एजेंसी)।** दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने नौ साल पुराने कथित वित्तीय हेराफेरी के एक प्रकरण में दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के नौ रिटायर्ड और दो सेवारत अफसरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। अधिकारियों ने बताया कि उपराज्यपाल सक्सेना ने नौ रिटायर्ड अधिकारियों की पेंशन को भी स्थायी रूप से वापस लेने का आदेश दिया है। सक्सेना डीडीए के अध्यक्ष भी हैं।

अधिकारी ने बताया कि उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने डीडीए अध्यक्ष के रूप में आदेश दिया है कि डीडीए के तत्कालीन सदस्य (वित्त) और तत्कालीन सदस्य (इंजीनियरिंग) के अलावा नौ अन्य अधिकारियों के खिलाफ केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) निर्माण नियमावली, 2013 में वित्तीय हेराफेरी और कोडल औपचारिकताओं के उल्लंघन मामले में एक एफआईआर दर्ज की जाए। नौ रिटायर्ड अधिकारियों में एक चीफ इंजीनियर अभियंता, एक सुप्रिटेंडेंट इंजीनियर और एक एक्जीक्यूटिव इंजीनियर शामिल हैं, जबकि अन्य अधिकारी फाइनेंस और अकाउंट्स डिपार्टमेंट में कार्यरत थे। पूर्ण पेंशन लाभ को स्थायी रूप से वापस लेने के फैसले पर अधिकारियों ने बताया कि उपराज्यपाल ने राजकोषीय नुकसान को देखते हुए यह कदम उठाया है। हालांकि, डीडीए ने राशि का 25 प्रतिशत काटने की सिफारिश की थी।

## बलूचिस्तान में पाक सेना की बर्बरता

### एक महीने में 48 को मारा, 45 लापता

**इस्लामाबाद ■ एजेंसी**

बलूचिस्तान में वैसे तो पाकिस्तानी सेना के जुल्म की कहानियां अकसर सामने आती रहती हैं और पिछले कुछ सालों में कई बार वायरल वीडियो के जरिए भी वहां सेना की काली करतूत सामने आई। इसी कड़ी में बलूचिस्तान की मानवाधिकार परिषद ने आंकड़े पेश किए, जिसमें बताया गया कि जुलाई में बलूचिस्तान में 48 ऐसी मौतें हुई, जिसके लिए पाक की सेना जिम्मेदार है। हालांकि इसमें कुछ ऐसे भी मामले शामिल हैं जिसमें न्यायपालिका भी शामिल है।

**48 लोगों को मार गिराया, 45 से ज्यादा लापता:** दरअसल, एक रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई में बलूचिस्तान में पाकिस्तान सेना ने 48 लोगों को मार गिराया है जबकि 45 से ज्यादा लापता बताए जा रहे हैं। बलूचिस्तान की मानवाधिकार परिषद के अनुसार जुलाई में फांसी के 11 मामलों सहित हत्याओं के 48 मामलों के लिए पाक के अर्धसैनिक बल जिम्मेदार हैं। महीने में गायब होने के 45 मामले दर्ज किए गए हैं।

**पाकिस्तानी सुरक्षा बलों का मौत का दस्ता:** मानवाधिकार परिषद ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि बलूचिस्तान में लोगों के खिलाफ हत्याओं और जबरन गायब होने के सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं। इसके चलते सैकड़ों-हजारों नागरिक प्रभावित होते हैं। यह अपराध बड़े पैमाने पर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और उनके संबद्ध संस्थाओं द्वारा किए जाते हैं। जिन्हें स्थानीय रूप से मौत का दस्ता कहा जाता है।

**बलों ने फर्जी मुठभेड़ में लोगों की हत्या कर दी:** पाकिस्तानी सुरक्षा बलों से संबद्ध कई ऐसी संस्थाएं हैं जो बलूचिस्तान में लोगों के बीच भय पैदा करती हैं और अंधाधुंध तरीके से जानबूझकर नियोजित रणनीति के रूप में काम करती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई में ही पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने एक फर्जी मुठभेड़ में 11 लोगों की हत्या कर दी। उन्हें बलूच लिबरेशन आर्मी के आतंकवादी के रूप में प्रचारित किया गया।

**सेना ने लगा दिए कई फर्जी आरोप!:** इस मुठभेड़ के बारे में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने दावा किया कि वे लेफ्टिनेंट कर्नल लाइक मिर्जा बेग के अपहरण और हत्या में शामिल थे। इस पर बलूच परिषद का कहना है कि इन आरोपों को साबित करने अभी तक कोई सबूत नहीं है। पीड़ितों के परिवारों ने इस बात से इंकार किया था। इसके अलावा अन्य कई ऐसे लोग हैं जो लापता हैं और उनकी जानकारी उनके परिजनों को नहीं है। पाकिस्तान की ज्यादती के खिलाफ हाल में हुए विरोध प्रदर्शन में प्रदर्शनकारियों ने बलूचिस्तान में लापता बलूच व्यक्तियों की हत्याओं का विवरण देते हुए पुस्तिका भी वितरित की। वे विरोध में कहते हुए सड़कों पर उतर आए कि उनके घर कई के तमाम सदस्य सुरक्षा बलों की गुप्त हिरासत में हैं।

## सीपीईसी की आड़ में बड़ी साजिश रच रहा चीन

**नई दिल्ली, (एजेंसी)।** चीन और पाकिस्तान के बीच की सदाबहार दोस्ती की एक वजह यह है कि दोनों देश भारत के खिलाफ रहते हैं। चीन और पाक के प्रोजेक्ट सीपीईसी का भारत हमेशा से विरोध करता आया है। अब सीपीईसी की आड़ में चीन पाकिस्तानी सेना के लिए अंडरग्राउंड बंकर में बनाने लगा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक हाल में 10 से 12 चीनी सैनिकों को शारदा के पास देखा गया, जो अब पीओके में है।

इसी तरह नीलम घाटी में भी केल के पास चीन के इंजीनियरों को देखा गया, जो कि पाकिस्तान के लिए बंकर बना रहे थे। यह जगह केल के दक्षिण पूर्व में 12 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां से आतंकवादी भी भारत में घुसपैठ की कोशिश करते रहते हैं। वहीं चीन के सैनिकों को बलूचिस्तान और सिंध में भी देखा गया है। बलूचिस्तान के केंद्र में जहां पाकिस्तान की मिसाइल रेजिमेंट है, वहां भी ऐसे ही निर्माण हो रहे हैं। हालांकि यह अब तक साफ नहीं हो पाया है कि आखिर पीएलए पाकिस्तानी सेना के लिए यह निर्माण क्यों कर रही है। कययास लगाए जा रहे हैं कि यह भी हो सकता है कि सीपीईसी प्रोजेक्ट में हो रही देरी और भारत के विरोध को देखते हुए वह पाकिस्तान के साथ मिलकर तैयारी कर रहा हो।

#### पाकिस्तानी सेना के लिए तैयार कर रहा बंकर

**आयोजन** सीएम ने विधान भवन पर डायनैमिक फसाड लाइटिंग का लोकार्पण किया, कहा

## अमृत महोत्सव राष्ट्रोत्सव का कार्यक्रम

**लखनऊ, (ब्यूरो)।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 'आजादी का अमृत महोत्सव' विरासत के प्रति हम सबके भाव को परिलक्षित करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से 'आजादी के अमृत महोत्सव' के क्रम में 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम के साथ-साथ प्रभात फेरी आदि कार्यक्रमों का आयोजन 13 से 15 अगस्त तक किया जा रहा है। यह केवल सरकारी आयोजन न होकर, राष्ट्रोत्सव का कार्यक्रम है। देश की आजादी के लिए बलिदान देने वाले ज्ञात-अज्ञात शहीदों को स्मरण करने के लिए आमजन की सहभागिता के साथ यह उत्सव मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने यह विचार गुरुवार को यहां विधान भवन पर डायनैमिक फसाड लाइटिंग के लोकार्पण अवसर पर कार्यक्रम में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने आगामी 25 वर्षो का अमृत काल पूरे देश के लिए तय किया है। जब देश आजादी का शताब्दी वर्ष मना रहा होगा, तब तत्कालीन भारत की परिकल्पना हम सभी के सामूहिक प्रयास से फलीभूत होगी। अतीत को विस्मृत करके कोई भविष्य नहीं बना सकता। अतीत के गौरवशाली क्षणों से प्रेरणा लेकर एवं गलतियों का परिमार्जन करके भविष्य की रूपरेखा तय की जाती है।

## उत्तर मध्य रेलवे में संरक्षा सेमीनार का आयोजन

**प्रयागराज, (ब्यूरो)।** भारतीय रेलवे और उत्तर मध्य रेलवे के सबसे व्यस्ततम एवं अति महत्वपूर्ण मंडलों में से एक प्रयागराज मंडल एक महत्वपूर्ण अंग के रूप में अपना विशिष्ट योगदान देता आ रहा है।

रेल यात्रियों को संरक्षित एवं समयबद्ध रेल यात्रा प्रदान करने के लिए प्रयागराज मंडल के अधिकारी एवं कर्मचारी निरंतर प्रयत्नशील हैं। सुचारू रूप से एवं दुर्घटना रहित रेल परिचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से समय-समय पर प्रयागराज मंडल के संरक्षा विभाग द्वारा विभिन्न संरक्षा सेमिनारों का आयोजन किया जाता है। गुरुवार को बहुउद्देशीय मंडल संस्थान परिचालन उत्तर मध्य रेलवे सूबेदारगंज में संरक्षा विभाग द्वारा संरक्षा-कार्यशाला का आयोजन किया गया।

संरक्षा-कार्यशाला में परिचालन-विभाग के 20 प्रशिक्षुओं को शटिंग के दौरान अपनाई जाने वाली सावधानियों, जैसे -गेट का बचाव, प्रोटेक्शन, आल राइट सिग्नल, रोल डाउन से बचाव के बारे में संरक्षा-कार्यशाला (सेमिनार) का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य संरक्षा सलाकार चन्द्रिका प्रसाद ने विशेष प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर, संस्थान के प्रधानाचार्य/ मुख्य अनुदेशक नन्द लाल तथा अनुदेशक राम बिहारी वर्मा भी शामिल हुए।

#### चंद्रिका प्रसाद ने विशेष प्रशिक्षण दिया

# संस्कृत हि करती है संस्कृति की रक्षा - नरेन्द्र शास्त्री

**मरुधर विशेष/ नरेन्द्र शास्त्री**

आज सोडावास स्थित राठ इंस्टिट्यूट व एजुकेशन हब मे संस्कृत दिवस पर संस्कृत संगोष्ठी का आयोजन किया गया 7 कार्यक्रम की शुरआत नरेन्द्र शास्त्री ने दीप प्रज्वलन व माँ शारदे की उपासना के साथ की 7 विधार्थियों को संस्कृत के गौरवमयी इतिहास से परिचित करवाया गया, संस्कृत का संरक्षण कैसे करे , कैसे संस्कृत को सरल माध्यम मे पस्तुत करे इस पर चर्चा की गयी, विधार्थियों को सरल संस्कृत वार्तालाप सिखाया गया 7 नरेन्द्र शास्त्री ने बताया की संस्कृत हि संस्कृति की रक्षा कर सकती है 7 इस अवसर पर नरेन्द्र शास्त्री , राठ इंस्टिट्यूट के चौयरमेन ललित यादव, नवीन यादव,राजेंद्र, अमित ,कपिल मेहता, सन्दीप चौधरी , अखिल यादव, डी एन वारदात, भुवनेश इत्यादि सहित काफी संख्या मे विधार्थी मौजूद रहे।



# मालाखेड़ा कस्बे में हर्षोल्लास से मनाया गया रक्षाबंधन का त्यौहार

**मालाखेड़ा (सतीश कुमार चौधरी)**

भाई-बहन के अटूट स्नेह व परस्पर प्रेम के प्रतीक रक्षाबंधन का त्योहार मालाखेड़ा उपखंड क्षेत्र में भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया बहनों ने अपने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर , तिलक लगाकर, मिठाई खिलाकर उनके मंगलमय जीवन की कामना की तथा भाइयों के द्वारा भी अपनी बहनों को मिठाई खिलाकर, तिलक लगाकर उनकी रक्षा का संकल्प लिया रक्षाबंधन के पर्व पर पतंगबाजी भी लोगों के द्वारा की गई जिसके चलते चारों तरफ छतों पर बच्चे भागते दौड़ते नजर आए।



# फाउंडेशन ने किसानों को बांटे 8 हजार आंवले के पेड़ स्वरोजगार बढ़ाने का दिया प्रशिक्षण

**मरूधर हिन्द/पुष्पेंद्र कुमार शर्मा/सामोद**

ग्राम पंचायत सामोद में आईसीआईसीआई फाउंडेशन के तत्वाधान में किसानों के दस दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन के दौरान किसानों को आंवले के ग्राफ्टेट पेड़ वितरित किए। शिविर के दौरान आईसीआईसीआई फाउंडेशन के द्वारा ग्रामीण महिलाओं को पशु पालन एवं स्वरोजगार की जानकारी दी। फाउंडेशन टीम के डेवलपमेंट ऑफिसर हेमराज बुरडक ने बताया कि दस दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दौरान किसानों को पालतू पशुओं के खानपान,उनमें होने वाली बीमारियों एवं समय समय पर पशुओं के टीकाकरण की जानकारी दी गई।साथ ही पशु पालन व बागवानी खेती के माध्यम से अपना स्वरोजगार बढाने के गुर सिखाए गए। बुडरक ने बताया कि अभियान के तहत अब तक चोमू उपखण्ड के किसानों की इनकम बढ़ाने के लिए आईसीआईसीआई फाउंडेशन की ओर से ग्राफ्टेड आंवले के चकिया वैरायटी के 8000 पौधे दिए जा चुके है। जिसमें दस दिवसीय प्रशिक्षण लिए हुए किसान शामिल किया गया। किसानों को खेती के लिए पानी की किल्लत होने के कारण आईसीआईसीआई फाउंडेशन की ओर से आंवले के पौधे दिए जा रहे हैं। जिसमें चोमू क्षेत्र के 10 पंचायत में कुल 8000 ग्राफ्टेड आंवले के पौधे दिए जा चुके है। इससे आने वाले समय में किसानो के आय के स्रोतों में बढ़ोतरी होगी।



# अलवर जिले मे रैणी उपखंड क्षेत्र के ग्राम रामनगर में ग्रामीण मोबाइल नेटवर्क को लेकर बड़े परेशान

**मरुधर विशेष/ हवासिंह चौधरी**

**अलवर ।** जिले मे रैणी उपखंड क्षेत्र के ग्राम रामनगर में ग्रामीण मोबाइल नेटवर्क को लेकर बड़े परेशान हो रहे हैं, मोबाइल नेटवर्क की समस्या लगभग 4 से 5 साल से लगातार बनी हुई, इस समस्या को लेकर विधायक और सांसद को अवगत कराया गया, लेकिन उनके द्वारा आश्वासन दिया गया कि मोबाइल नेटवर्क की समस्या का समाधान जल्द ही हो जाएगा, लेकिन मोबाइल नेटवर्क की समस्या को लेकर अभी तक कोई भी समाधान नहीं हुआ है, ग्रामीणों से बात करने पर ग्रामीणों ने बताया कि रामनगर ग्राम के पास जामडोली ग्राम पंचायत में 3 किलोमीटर दूरी पर, सभी कंपनी का नेटवर्क लगा हुआ है, उसके बावजूद भी रामनगर ग्राम वासियों को मोबाइल नेटवर्क की समस्या से जूझना पड़ रहा है, और ग्रामीणों का कहना है, (बी एस एन एल, जी ओ, वि आई, एयरटेल) कंपनी के मोबाइल सिम में हर, महीने का रिचार्ज करवाते हैं, उस रिचार्ज का फायदा हमें नहीं मिलता है, और हमारा पैसा बेफिजूल खर्च होता है, ग्रामीण लोगों की मांग है कि इस समस्या का समाधान जल्द से जल्द किया जाए, इस दौरान खेमराज मीणा, धांधू राम मीणा, फूलचंद मीणा, शिवराम मीणा, संत राम मीणा, छोटे लाल मीणा, तेजराम मीना,रेवती शंकर रिंकु ,संदीप महर,बलराम,मनीष,विजय,विनोद गुरुजी, हरीमोहन महर, मौजूद रहे है



# आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष मे आज रक्षकों की राखी के तहत स्कूली बालिकाओं द्वारा वाहिनी के अधिकारियों और जवानों को राखी बांधी

**मरूधर हिंद/महावीर सिंह चौहान**

जयपुर आमेर स्थित सीआईएसएफ आठवीं आरक्षित वाहिनी मे हर घर झंडा आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष मे आज राजस्थान पत्रिका की पहल रक्षकों की राखी के तहत स्कूली बालिकाओं द्वारा वाहिनी के अधिकारियों और जवानों को राखी बांधकर जवानों के साथ हर्षोल्लास से राखी का त्यौहार मनाया वाहिनी के अधिकारियों और जवानों की तरफ से हर घर तिरंगा प्रोग्राम के तहत फहराने के लिए तिरंगा झंडा दिया गया इसमें आनंद पब्लिक स्कूल आमेर ,राजस्थान आईटीआई कॉलेज व स्कूल आमेर , महाराजा गर्ल्स स्कूल आमेर की बालिकाएं व स्कूल स्टाफ शामिल हुवा, वाहिनी की तरफ से संरक्षिका अध्यक्ष श्रीमती मीनाक्षी सिंह श्रीमती शांति चौधरी वाहिनी के कमांडेंट श्री आशीष कुमार उप कमांडेंट श्री सुरेश चौधरी,सहायक कमांडेंट श्री आजाद सिंह सहित अन्य अधिकारी व जवानों ने भाग लिया प्रोग्राम के आखिर में कमांडेंट श्री आशीष कुमार ने राजस्थान पत्रिका के प्रतिनिधियों अलग-अलग विद्यालय से आए हुए अध्यापकों और बालिकाओं का जवानों के साथ रक्षाबंधन मनाने के लिए आभार व्यक्त किया

# गोवंशीय पशुओं में लंपी स्किन डिजीज का प्रबंधन

**मरुधर विशेष/ हवासिंह चौधरी**



**मुंडावर।** छेत्र के कृषि विज्ञान केंद्र गुंता के पशुपालन विशेषज्ञ डॉ अरविंद कुमार वर्मा के अनुसार हमारे प्रदेश में पशुओं में लंपी स्किन डिजीज नामक बीमारी बहुत ही तेजी से फैल रही है । यह बीमारी भारत के अन्य राज्यों में भी अपने पैर पसार चुकी है तथा हमारे पशुपालकों को इसके प्रति जागरूक होने की आवश्यकता है । सामान्यतः पशुओं में विषाणु जनित बीमारियां कमजोर प्रतिरक्षा तंत्र के कारण होती हैं , जैसे खुरपका , मुंहपका, पीपीआर एलएसडी इत्यादि लंपी स्किन डिजीज की रोकथाम बचाव इलाज समय पर करवाकर पशुपालक इससे निजात पा सकते हैं ।

## लंपी स्किन डिजीज

यह बीमारी एलएसडी वायरस द्वारा पशुओं में फैलती है जिसे सामान्य भाषा में पशुपालक गांठ दार त्वचा रोग कहते हैं । यह रोग गाय और भैंसों को सामान्यता अपनी चपेट में लेता है । एलएसडी का एक पशु से दूसरे पशुओं में खून चूसने वाले मक्खी, मच्छर, चींचड़, जूं इत्यादि से फैलता है । यह बीमारी मनुष्य में नहीं फैलती है ,परंतु एक संक्रमित पशु से दूसरे पशुओं में बहुत तेजी से फैलती है ।

## रोग के लक्षण

पशुओं में शरीर पर गाठें बन जाती हैं मुख्यता गर्दन, थन एवं जननांगों के आसपास गाठें दिखाई पड़ती हैं । पशुओं में बुखार होना, नाक व आंखों से पानी , पशुओं का खाना पीना बंद कर , दुधारू पशुओं में दूध उत्पादन कम हो , ग्याभन पशुओं में गर्भपात होना, पशुओं का प्रतिरक्षा तंत्र कमजोर होना इत्यादि इस बीमारी के लक्षण हैं ।

## बीमारी का फैलाव-

यह बीमारी , मक्खियों और जूं के साथ पशुओं की लार तथा दूषित जल एवं भोजन के माध्यम से एक पशु से दूसरे पशुओं में फैलती है ।

## रोग का उपचार

विषाणु जनित होने के कारण इस बीमारी का कोई प्रभावी उपचार उपलब्ध नहीं है । बीमारी से ग्रसित पशुओं को पशु चिकित्सक की सलाह से एंटीबायोटिक जैसे एनरोफ्लाक्सासिन 3-5 मिलीग्राम प्रति , ऑक्सीटेटरासाइक्लिन 5-10 मिलीग्राम प्रति किलो , सेफटियोफर सोडियम 1.1-2.2 मिलीग्राम प्रति किलो, सेफ्ट्राइएक्सोन 5-10 मिलीग्राम प्रति किलो भार के हिसाब से किसी एक एंटीबायोटिक का चयन कर उपचार हेतु दी जानी चाहिए । ज्वर के लिए पेरासिटामोल या एनालजीन दवाई दे साथ में एंटीहिस्टामाइन (फेनरामीन मैलिएट) तथा प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने के लिए विटामिन एवं त्वचा के जख्म के लिए एंटीसेप्टिक या फ्लाईरिपलेन्ट स्प्रे का उपयोग किया जा सकता है । अत्यंत गंभीर अवस्था में डॉक्टर की सलाह से इंजेक्शन डेक्सामेथासोन, इंजेक्शन प्रेडनिसोलोन का भी उपचार के लिए प्रयोग किया जा सकता है। ग्याभन पशुओं में इस इंजेक्शन का उपयोग नहीं करना चाहिए। पशुओ को प्रतिदिन 50 ग्राम मिनरल मिक्सर आहार में देना चाहिए । 1. सबसे पहले पशुओं की साफ सफाई का ध्यान रखें । जिसमें मक्खियाँ, मच्छर, चींचड़, जूं इत्यादि को पशुशाला में नहीं आने दे इस प्रकार का प्रबंधन करें । पशुपालक अपने पशुओं बाड़े में मक्खी, मच्छरों के लिए , डेल्टामेथ्रिन का स्प्रे करें ।बीमार पशु को अन्य पशुओं से अलग रखें और डॉक्टर से इलाज करवाएं । बीमार पशुओं के शरीर से निकलने वाले स्राव जैसे आंख, नाक, पेशाव, गोबर, दूध, संक्रमित पानी के संपर्क में दूसरे पशुओं को नहीं आने दें चाहिए अन्यथा उनको यह बीमारी लग सकती है द्य अच्छी बात यह है कि यह बीमारी मनुष्य में नहीं फैलती है परंतु साफ सफाई नहीं रखने के कारण मनुष्य इसमें वाहक का कार्य कर सकते हैं । पशुओं के फार्म में सख्त जैव सुरक्षा उपायों को अपनाएं, पशुओं से प्रभावित क्षेत्र से जानवरों की आवाजाही से बचें, स्वस्थ पशुओं को यह बीमारी अपनी चपेट में ले उससे पहले पशुपालक गोटपाक्स का टीका आवश्यक रूप से लगवा लेना चाहिए जो बीमारी को नियंत्रित करने और फैलने से रोकने में मदद करता है। पशुओं का प्रतिरक्षा तंत्र मजबूत करने के लिए प्रतिदिन पशुओ को 35 से 50 ग्राम मिनरल मिक्सर अवश्य देना चाहिए, पशुओं के शरीर पर होने वाले घाव पर पशुपालक नीम का तेल 50द्वद्य ,कपूर एंव हल्दी मिक्स करके लगा सकते हैं । इसके अलावा पशु के घाव को सुबह-शाम लाल दवा के पानी से धोना चाहिए जिससे पशुओं में अन्य संक्रमण ना फैले ।

# आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत तिरंगा बाईक रैली आयोजन होगा आज

**मरूधर विशेष**

**कठूमर । दिनेश लेखी।** उपखंड मुख्यालय पर शुक्रवार को आजादी की 75 वीं वर्षगांठ को आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है।इस महोत्सव की आयोजन श्रृंखला अंतर्गत एसडीएम रामकिशोर मीणा की अगुवाई में 12 अगस्त को प्रातः 11ः00 बजे से तिरंगा बाईक रैली का आयोजन किया जावेगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार बाइक रैली पंचायत समिति कठूमर परिसर से प्रारंभ होकर कस्बा कठूमर के मुख्य मार्ग अहिंसा सर्किल, हरिसिंह पेट्रोल पंप, लक्ष्मणगढ़ रोड बस स्टैंड, अंबेडकर भवन, वापस अहिंसा सर्किल होते हुए पंचायत समिति कठूमर परिसर में समाप्त होगी। प्रस्तावित रैली में पंचायत राज विभाग, राजस्व विभाग, शिक्षा विभाग एवं पुलिस विभाग सहित समस्त ब्लॉक स्तरीय अधिकारी,कर्मचारी छात्र एवं एनसीसी कैडेट भाग लेंगे। इस रैली के आयोजन की समस्त व्यवस्था कठूमर विकास अधिकारी के स्तर से सुनिश्चित की जावेगी।

# जसाई में सरपंच ने रक्षा बंधन पर लगवाया रक्तदान शिविर

**मरुधर विशेष/ हवासिंह चौधरी**

**मुंडावर।** उपखण्ड छेत्र के ग्राम पंचायत जसाई में सरपंच कार्यालय पर लगे रक्तदान शिविर में कोटपूतली के जीवनदाता ब्लड बैंक टीम ने 91 यूनिट का किया संग्रहण, सभी रक्तदाताओं को सरपंच वीरू पंडित ने हैलमेट व प्रस्सति पत्र देकर रक्त दाताओं का सम्मान करते हुई हौसला बढ़ाया।

रक्त दान महा दान, रक्त मानव जीवन के लिए अमूल्य धरोहर है। दुर्घटनाओं व गंभीर बीमारियों के समय रक्त ही जीवन बचाने का सहयोग करता है। सभी स्वास्थ्य व्यक्ति को अधिकाधिक रक्तदान करने में सहयोग करना चाहिए इस तरह का उद्बोधन में गुरुवार को जसाई गांव में युवा भगतसिंह सेना के तत्वावधान में आयोजित सातवें रक्तदान शिविर में भगत सिंह सेना प्रदेश अध्यक्ष व स्थानीय सरपंच वीरेन्द्र शर्मा ने सरपंच कार्यालय पर मौजूद ग्रामीणों व रक्तदाताओं को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कही। कोटपूतली की जीवन दाता ब्लड बैंक के संजय यादव के नेतृत्व में चिकित्सकीय टीम सदस्यों द्वारा 91 यूनिट रक्त एकत्रित किया। इससे पूर्व युवा भगतसिंह सेना की ओर से छह रक्तदान शिविर लगाये जा चुके है। रक्षा बंधन के दिन आयोजित रक्तदान शिविर में नांगल ऊदिया निवासी बहिन ने भी रक्तदान कर आमजन को प्रेरित किया। जसाई सरपंच वीरू पंडित की ओर से रक्तदाताओं को हैल्मेट भी भेट किए। रक्तदान शिविर में सहयोग करने में यादवेन्द्र उपाध्याय,रामकुमार पूर्व सरपंच, राजेन्द्र मास्टर , डॉक्टर फूल सिंह चौधरी, सतेन्द्र चौधरी, महेश मीणा, नरेन्द्र चौधरी, कपूर डांगी, आशीष गुलिया, राहुल चौधरी, कप्तान सिंह, मनीष चौधरी सोनू सूखा, देवा पण्डित, आलोक उपाध्याय जसवीर चौधरी, करण खरिया , नरेन्द्र चौधरी सहित ग्रामपंचायत के युवा मौजूद थे।



# पूर्व यूआईटी चेयरमैन देवीसिंह शेखावत ने तिरंगा वितरित किए

**मरुधर हिन्द/ रमाकान्त शर्मा**



**बानसूर** -आजादी के अमृत महोत्सव एवं हर घर तिरंगा अभियान को लेकर पूर्व यूआईटी चेयरमैन देवी सिंह शेखावत ने बानसूर विधानसभा के भाजपा के पांचों मंडल के अध्यक्षों को तिरंगा वितरित किया गया। पूर्व यूआईटी चेयरमैन देवी सिंह शेखावत ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर आज़ादी के अमृत महोत्सव को लेकर 13 अगस्त से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। जिसको लेकर आज बानसूर विधानसभा के भाजपा कार्यकर्ताओं और भाजपा के पांचों मंडलों के अध्यक्षों को तिरंगे वितरित किए गए। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष नरेंद्र चौधरी सहित विधानसभा के पांचों मंडल अध्यक्ष और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# कोटड़ा रक्षाबंधन पर खूब खरीदी लोगों ने राखी

**मरुधर हिन्द उदयपुर**



आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र कोटडा में रक्षाबंधन के अवसर पर कोटडा में उमड़ा जनसैलाब सुबह करीबन 9ः30 बजे से ही लोग आने लगे और बाजार में राखी की खरीदारी लोगों द्वारा खूब की गई राखी के मौके पर कोटडा में दोपहर को लोगों की इतनी भीड़ लगी कि बाजार से गुजरना भी मुश्किल था बाजार का दृश्य किसी मेले से कम नहीं था। कोटड़ा घड़ी से लगा कर कोटडा छावनी के रास्ते काफी भीड़ लगी। मांडवा,जुड़ा, मामेर, पानरवा से जीप पर सवार होकर आते हुए लोगों ने पारंपरिक देसी गीत गाते हुए रक्षाबंधन का आनंद लिया।

# नगर पालिका भवन स्थानांतरण के मामले में पालिका ईओ दोषी करार

**मरुधर हिंद आमिर खान कामां**

**कामां-** जनवरी माह में कामां नगर पालिका भवन को कस्बे के बीचो-बीच स्थित पुराने नगर पालिका भवन से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर तीर्थराज विमल कुंड स्थित फायर स्टेशन व पर्यटन विभाग के यात्री विश्राम गृह में स्थानांतरित किए जाने के मामले में हुई विभागीय जांच में स्वायत्त शासन विभाग के तत्कालीन उप निदेशक डा गुंजन सोनी ने नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी श्याम बिहारी गोयल को दोषी ठहराते हुए दो वेतन वृद्धियां रोकने व सर्विस बुक में लाल स्याही से रिमार्क लगाने के आदेश जारी किए हैं उक्त मामले का खुलासा आरटीआई से प्राप्त जानकारी के अनुसार हुआ है7 सामाजिक कार्यकर्ता विजय मिश्रा ने बताया कि नगर पालिका ईओ श्याम बिहारी गोयल द्वारा जनवरी माह में सक्षम स्तर के अधिकारियों से बिना अनुमति प्राप्त किए ही कामां नगरपालिका को पुराने भवन से तीर्थराज विमल कुंड स्थित यात्री विश्राम गृह व फायर स्टेशन में स्थानांतरित कर दिया था कस्बे वासियों द्वारा मामले की लिखित शिकायत उच्चाधिकारियों से की गई थी और नगरपालिका के सामने धरना प्रदर्शन भी किया गया था जिसके बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए स्वायत शासन विभाग के तत्कालीन क्षैत्रीय उप निदेशक डॉ गुंजन सोनी ने मामले की जांच की थी और नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी को दोषी करार दिया था क्षेत्रीय उपनिदेशक डॉ गुंजन सोनी द्वारा अपने आदेशों में बताया गया कि पूर्व मे नगर पालिका कार्यालय जिस भवन मे संचालित था उसमे 16 कमरे थे इसमें करीब 25 लाख की लागत से वातानुकूलित शौचालय भी बनवाया गया था और यह स्थान घनी आबादी के नजदीक होने से जनता की सुगम पहुंच मे भी था नया भवन जिसमें नगर पालिका भवन स्थानांतरित किया गया उसमें मात्र 8 कमरे है और आबादी से दूर होने से जनता के रोजमर्रा के कामों के लिए पहुंच से दूर है जनता को वहां तक पहुंचने में परेशानी होती है इसके अतिरिक्त यह भवन पर्यटन विभाग द्वारा तीर्थ यात्रियों के विश्राम के उद्देश्य से बनाया गया था कार्यालय स्थानांतरित करने से पूर्व सक्षम स्तर से पूर्व अनुमति भी नहीं प्राप्त की गई थी कामा की जनता द्वारा इसके विरुद्ध लगातार धरना प्रदर्शन किए गए थे क्षेत्रीय उपनिदेशक गुंजन सोनी ने आदेशों में बताया कि आरोपित अधिकारी श्याम बिहारी गोयल द्वारा अपने जवाब में कहा गया था कि नगरपालिका का स्थानांतरण उन्हें राज्यमंत्री जाहिदा खॉन के मौखिक निर्देश पर किया है जांच के दौरान इस बाबत अधिशासी अधिकारी से राज्य मंत्री के आदेश व निर्देशो की प्रमाण के तौर पर प्रति भी मांगी गई लेकिन राज्य मंत्री जाहिदा खान के नगरपालिका स्थानांतरित करने के बारे में दिए गए निर्देशो का अधिशासी अधिकारी कोई लिखित प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सके और ना ही कोई ठोस जवाब दे सके7विभागीय जांच में स्वायत शासन विभाग के तत्कालीन उप निदेशक डॉ गुंजन सोनी ने पालिका के अधिशासी अधिकारी श्याम बिहारी गोयल को दोषी करार देते हुए नगरपालिका सिविल सेवा वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील 1958 के नियम 17 के तहत दो वेतन वृद्धियां संचयी प्रभाव से रोके जाने के आदेश जारी किए है इसके अलावा अधिशासी अधिकारी श्याम बिहारी गोयल की सर्विस बुक में इस दंड को लाल स्याही से अंकित करने का भी आदेश जारी किया गया है7 उल्लेखनीय है कि गत माह पालिकाध्यक्ष गीता खंडेलवाल के निवास पर हुई एसीबी की कार्रवाई मे दोषी पाए जाने व एसीबी द्वारा अधिशासी अधिकारी श्याम बिहारी गोयल व पालिका अध्यक्ष के पति भगवान दास खंडेलवाल के खिलाफ चार्जशीट दाखिल किए जाने के चलते पचासी अधिकारी श्याम बिहारी गोयल फरार चल रहे हैं।




# रक्षाबंधन पर बहनों ने भाई की कलाई पर बांधी राखी

**मरुधर हिंद आमिर खान कामां**



कामां-गुरूवार को कामां कस्बे सहित पूरे ब्रज अंचल में रक्षाबंधन का पर्व धूमधाम से मनाया गया भाई-बहन के अटूट प्रेम बंधन के इस पर्व पर बहनों ने भाइयों की कलाइयों पर राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र की कामना की और भाइयों ने भी अपनी बहनों को लंबी उम्र का आशीर्वाद प्रदान किया।

रक्षाबंधन का त्योहार मनाने के लिए बुधवार देर शाम को ही लोगों का आवागमन शुरू हो गया जहां दूरदराज के क्षेत्रों में आजीविका कमाने निकले लोग छुट्टी लेकर त्यौहार मनाने के लिए अपने घर पहुंचने लगे तो वही बहने भी त्योहारों से एक दिन पहले ही अपने मायके पहुंची इस दौरान कोसी चौराहे पर डीग भरतपुर,जयपुर, कोसी, दिल्ली , मथुरा जाने के लिए महिलाओ की भारी भीड़ देखी गई लोगों को बसों के अभाव में परेशानियों का सामना करना पड़ा वहीं डग्गेमार वाहनों ने भी की परेशानियों को दरकिनार करते हुए मनमाना किराया वसूला7 रक्षाबंधन के दिन पूरे दिन महिलाओं का आवागमन लगा रहा बसों और अन्य वाहनों में भारी भीड़ देखी गई वहीं इस बार भद्रा को लेकर रक्षाबंधन आज या कल मनाने को लेकर असमंजस बना लेकिन ज्यादातर लोगों ने गुरुवार को ही रक्षाबंधन का पर्व मनाया।

# बानसूर के एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या

**मरुधर हिन्द/ रमाकान्त शर्मा**

बानसूर उपखंड के गांव डाबरिया निवासी सुभाष चंद्र यादव उम्र 50 वर्ष पुत्र गिरधारी लाल यादव को गोली मारकर हत्या का मामला सामने आया है । बानसूर का रहने वाला सुभाष चंद्र यादव का शव थानागाजी के समीप पहाड़ियों के बीच उसके फार्म हाउस बोधका में मिला । युवक की हत्या करने का मामला बताया जा रहा है। जिसके सिर में गोली मारी गई है। युवक के शव मिलने की सूचना पर थानागाजी पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। वहीं पुलिस मामले की जांच कर रही है। अभी हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। घटना स्थल पर भारी संख्या में पुलिस जाब्ता एवं बानसूर डीएसपी मृत्युंजय मिश्रा मौजूद रहे। वहीं एफएसएल टीम ने घटनास्थल पर पहुंच कर सबूत जुटाने का कार्य किया।



# पाण्डुपोल हनुमानजी मेले एवं भर्तृहरि महाराज मेले हेतु मजिस्ट्रेट नियुक्त

**मरुधर विशेष/ हवासिंह चौधरी**

**अलवर।** जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी 29 से 31 अगस्त तक श्री हनुमानजी महाराज पाण्डुपोल मेले एवं 2 से 5 सितम्बर तक श्री भर्तृहरि महाराज मेले के दौरान मौके पर कानून व्यवस्था बनाये रखने एवं अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने हेतु मजिस्ट्रेट नियुक्त किये हैं। जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी आदेशानुसार श्री हनुमानजी महाराज पाण्डुपोल मेले के लिए उपखण्ड मजिस्ट्रेट थानागाजी नवनीत कुमार को मेला मजिस्ट्रेट एवं तहसीलदार थानागाजी दिनेश चन्द मीना को सहायक मेला मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। इसी प्रकार श्री भर्तृहरि महाराज मेले के लिए उपखण्ड मजिस्ट्रेट मालाखेडा अनुराग हरित को मेला मजिस्ट्रेट एवं तहसीलदार मालाखेडा दिनेश कुमार यादव को सहायक मेला मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट शहर ओमप्रकाश सहारण ओवर ऑल मजिस्ट्रेट रहेंगे। नियुक्त मजिस्ट्रेट मौके पर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु समुचित कार्यवाही करेंगे तथा मेले से संबंधित सभी व्यवस्थाओं का मौके पर जायजा लेकर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे।

# तिजारा रक्षाबंधन का त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया गया

**मरुधर विशेष राकेश सैनी**

तिजारा हिंदू धर्म की परंपरा का विशेष पर्व कस्बे में रक्षाबंधन बड़ी धूमधाम से मनाया गया रक्षाबंधन के पर्व पर बहन ने अपने भाई की कलाई पर राखी बांधकर उसकी लंबी आयु की कामना करती है रक्षाबंधन का सबसे प्रचलित उदाहरण चित्तौड़गढ़ की रानी कर्णावती और मुगल बादशाह हुमायूं का दिया जाता है पर्व को देखते हुए बाजारों में रोनक का नजारा दिखाई दिया बाजारों में चहल-पहल दिखाई दी बाजार में मिठाई की दुकान राखी की दुकान व अन्य कपड़ों की दुकान पर भी भीड़ भाड़ दिखाई दी यह त्यौहार हिंदू धर्म की परंपरा का एक विशेष पर्व माना जाता है रक्षाबंधन के पर्व का लोग पूरे साल भर इंतजार करते हैं इस पर्व पर भाई बहन का अटूट विश्वास स्नेह और सम्मान देखा जाता है। बुआ जी पिंकी, खुशबू ,दीदी गरिमा ,विनीता ,पलक रिया ने अपने भाई थनीश की कलाई पर राखी बांधी।



# तिजारा युवा मोर्चा ने निकाली बानसूर से भिवाड़ी तक विशाल बाइक तिरंगा यात्रा

**मरुधर विशेष राकेश सैनी**

तिजारा भाजपा युवा मोर्चा अलवर उत्तर जिला अध्यक्ष अभय बिधूड़ी के नेतृत्व में प्रदेश अध्यक्ष सतीश पुनिया, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हिमांशु शर्मा के आव्हान पर युवा मोर्चा ने बानसूर से तिरंगा यात्रा को शुरू कर ततारपुर चौराहा, खैरथल, किशनगढ़ बास, तिजारा, टपूकड़ा, भिवाड़ी तक 75 किलोमीटर की विशाल तिरंगा बाइक रैली निकाली! यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी के आव्हान पर पूरे देश में आजादी के अमृत महोत्सव मैं भाजपा हर घर तिरंगा अभियान चला रही है! उसी क्रम में युवा मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्य के आदेशानुसार भाजपा युवा मोर्चा तिरंगा बाइक रैली निकाल कर राष्ट्रभक्ति की भावना जगा रहा है! कार्यक्रम संयोजक सुनील सिराधना ने बताया कि बानसूर से कार्यक्रम का शुभारंभ महाराज गणेशानंद जी महाराज के कर कमलों द्वारा हरी झंडी दिखाकर रैली का शुभारंभ किया गया! कार्यक्रम में 500 से अधिक बाइक कार्यकर्ताओं ने तिरंगा झंडा हाथ में लेकर रैली में 75 किलोमीटर की दूरी में भारत माता की जयघोसो के साथ रैली को भव्य बनाया ! कार्यक्रम में हर मंडल पर स्वागत कार्यक्रम व पुष्प वर्षा की गई बाइक तिरंगा यात्रा सुबह 9ः00 बजे प्रारंभ होकर सांय 6ः00 बजे निखिल दायमा शहीद स्मारक भिवाड़ी में संपन्न हुई ! रास्ते में सभी महापुरुष व शहीदों की प्रतिमाओं पर माला अर्पण कर श्रद्धांजलि दी गई! कार्यक्रम के समापन पर नगीना गार्डन मैं राष्ट्रीय गान किया गया व सभी कार्यकर्ताओं को यह लक्ष्य दिया गया कि हर घर तिरंगा अभियान को पूरे जिले में जोर-शोर से चलाएं ! कार्यक्रम में भाजपा महामंत्री उमेद भाया, महा सिंह चौधरी, महिला मोर्चा चित्रा शर्मा, पूर्व चेयरमैन देवी सिंह शेखावत, जिला पार्षद दिनेश यादव, राहुल सैनी, नगेंद्र चैनपुरा, भुवनेश गर्ग, निरंजन सेन, संदीप चौधरी, दिनेश यादव, संदीप शेखावत, देवेंद्र सैनी, विश्वेश्वर चौधरी, राकेश यादव, फतेह मंडार, मुकेश धाबास, तेज सिंह सैनी, संजय वर्मा, नरेंद्र पटेल, करण गोलिया, सुरेंद्र बड़वाल, विक्रम तँवर , राहुल यादव, मनोज यादव, रवि कसाना, प्रिंस प्रजापत, आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



# भगवान शिव शंकर के विशाल भंडारे का आयोजन किया गया

**मरुधर हिन्द/रमाकान्त शर्मा**

बानसूर उपखंड के ग्राम सोहन की ढाणी तन लाडपुर में स्व. श्री जहारमल शर्मा व श्रीमती लक्ष्मी देवी के आशीर्वाद से शिव शंकर भगवान के विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया। भंडारे में कई हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर अमित चौधरी, छम्मा तिवाड़ी एंड पार्टी द्वारा भजन कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ रोहिताश शर्मा, पूर्व यू आई टी अलवर के चेयरमैन देवीसिंह शेखावत, बानसूर नगरपालिका के चेयरमैन नीता सज्जन मिश्रा, महंत हरीदास महाराज, एडवोकेट हुकम चंद शर्मा, रमेश अम्बावत सरपंच, पूर्व सरपंच रमेश यादव, पप्पूराम बॉस पंचायत समिति सदस्य, राम मित्तल पंचायत समिति सदस्य, मातादीन गुवारिया , मुरारी लाल सोनी, पूर्व उपसरपंच सुनील दीक्षित, बलराम गुर्जर युवा नेता, पूर्व सरपंच सरोज सैनी, रामनिवास शर्मा, घनश्याम शर्मा, बाबूलाल शर्मा पंच, नरेश शर्मा, मनोज कुमार शर्मा वरिष्ठ अध्यापक, एडवोकेट जितेंद्र कुमार शर्मा, सत्येंद्र दीक्षित मैनेजर लॉजिस्टिक अपैक्स ट्यूब बहरोड़, टैक्स एडवोकेट देवेंद्र कुमार शर्मा, एडवोकेट दिनेश कुमार शर्मा, पवन दीक्षित निदेशक रमन इंटरप्राइजेज नीमराना, एडवोकेट संदीप दीक्षित पूर्व जिला उपाध्यक्ष भाजयुमो अलवर, गोवरधन शर्मा जुनिअर एग्जीक्यूटिव स्टोर एएमडी नीमराना, निखिल दीक्षित ए ए डी क्लर्क, राहुल कुमार, आदित्य कुमार, अश्वनी दीक्षित,आकाश यादव डीपी सहित हज़ारों की संख्या में लोग उपस्थित रहें।



# जांगरू गांव में चल रहे विवाद में पुलिस ने 18 जनों को किया गिरफ्तार

**मरूधर विशेष**

**कठूमर।दिनेश लेखी।** बहतूकला थाना क्षेत्र में दो दिन से टैंटपुर और जांगरू गांव में चल रहे विवाद में पुलिस ने गुरूवार को शांति भंग के आरोप में चार जनो को और गिरफ्तार किया है। वही दोनो गांवों में शांति व्यवस्था के लिये पुलिस जाप्त तैनात है। वही मामले में अब तक जांगरू गांव के सोलह जनो को गिरफ्तार किया जा चुका है। बहतूकला थानाधिकारी हनुमान सहाय ने बताया टैंटपुर और जांगरू के युवको में हुई मारपीट और उत्तेजक बातचीत की गंभीरता को समझते हुये पुलिस ने शांति व्यवस्था के लिये फ्लैग मार्च निकाला तो कुछ असामाजिक ने पत्थर फेंके। जिस पर पुलिस ने टैंटपुर के दो और जांगरू से सोलह जनो को गिरफ्तार किया। थानाधिकारी ने बताया क्षेत्र में शांति बनी हुई है। वही गांव में अतिरिक्त जाप्ता तैनात है।

## संपादकीय

# नीतीश होने के मायने

कहते हैं इतिहास खुद को दोहराता है, वह बात अलग है कि वह कुछ अलग रूप में सामने आता है। बिहार में नीतीश कुमार का भाजपा व महागठबंधन में आना-जाना कुछ यही कहता है। अजब संयोग है मंगलवार को जहां महाराष्ट्र में शिवसेना सरकार में भाजपा विधायक मंत्रिमंडल में शामिल हो रहे थे, वहीं बिहार सरकार से उनकी विदाई हो रही थी। यूं तो लंबे समय से राजग में भाजपा व जदयू के रिश्तों में खटास चली आ रही थी। भले ही केंद्र व राज्य सरकार में वे साथ थे लेकिन विश्वास के धरातल पर दूर थे। कहीं न कहीं नीतीश कुमार को यह लगने लगा है कि भाजपा उनकी पार्टी की जमीन कुतर रही है। पहले विधानसभा चुनाव में लोक जनशक्ति पार्टी के चिराग पासवान द्वारा नीतीश के खिलाफ मुहिम चलाकर जदयू की सीटें कम करने के आरोप लगाये गये, फिर पार्टी के अध्यक्ष व सांसद के भाजपा में शामिल होने को नीतीश कुमार ने गंभीरता से लिया। बहरहाल, जिस तेजी से भाजपा से नाता तोड़ नीतीश ने राजद का दामन थामा, उसके सीधा असर बिहार से लेकर दिल्ली की राजनीति तक पड़ना लाजमी है। निस्संदेह, सवाल ये भी उठेगा कि पांच साल पहले कदाचार के आरोप लगाकर जिस राजद को छोड़ नीतीश ने भाजपा का दामन थामा था, क्या उस दल में राजनीतिक शुचिता कायम हो गई है? वे तुरत-फुरत आठवीं बार मुख्यमंत्री भी बन गए हैं। तेजस्वी यादव उपमुख्यमंत्री बने हैं। उनके साथ कांग्रेस, वाम दल समेत कई छोटे दल शामिल हैं। निस्संदेह, इसके मूल में एक सशक्त विपक्ष की आकांक्षा भी निहित है। इस राजनीतिक घटनाक्रम की सरल व्याख्या यह है कि पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा व जदयू के संबंधों में जो खटास पैदा हुई थी उसकी परिणति इस अलगाव के रूप में हुई है। लेकिन इसके अलावा कई कारण अलगाव की वजह बनें। कई मुद्दों पर जदयू सैद्धांतिक रूप से भाजपा से सहमत नहीं थी।

यूं तो बिहार विधानसभा अध्यक्ष से लेकर राज्य भाजपा प्रभारी के व्यवहार को लेकर नीतीश कुमार नाराज थे। लेकिन हाल ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा पटना में क्षेत्रीय दलों के बाबत की गई टिप्पणी ने आग में घी का काम किया। जिसमें उन्होंने कहा था कि कई राष्ट्रीय पार्टियां सिमट गई और अब क्षेत्रीय दलों का पराभव होगा। निश्चित रूप से नीतीश ने इसे जदयू के लिये खतरे की घंटी के रूप में लिया। इसके अलावा कई और मुद्दे थे जिनको लेकर नीतीश भाजपा से नाराज चल रहे थे। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा, जाति आधारित जनगणना, एनआरसी, अग्निपथ योजना पर वे अपने तेवर दिखा चुके थे। हाल ही में बिहार विधानसभा के समारोह के लिये छपे निमंत्रण पत्र पर उनका नाम न छापने को भी उन्होंने गंभीरता से लिया। यही वजह है कि राष्ट्रपति व उप राष्ट्रपति चुनाव के बीच हुए समारोहों व नीति आयोग की बैठक में नीतीश नजर नहीं आये। वहीं राजनीतिक पंडित केंद्र की राजनीति में नरेंद्र मोदी के विकल्प के रूप में उभरने की नीतीश कुमार की महत्वाकांक्षा को भी इस फैसले के मूल में देख रहे हैं। कुछ लोग नीतीश के फैसले को राजनीतिक अवसरवाद के रूप में देख सकते हैं, लेकिन वहीं कुछ लोग मानते हैं कि वे पार्टी के अस्तित्व को बचाने के लिये भाजपा से अलग होकर राजद के बगलगीर हुए हैं। लेकिन एक बात तो तय है कि अपने वोट बैंक व राजद ,कांग्रेस तथा वाम समर्थक वर्ग के बूते वे न केवल बिहार बल्कि झारखंड व उत्तर प्रदेश में भाजपा के लिये बड़ी चुनौती खड़ी कर सकते हैं। यह तो तय है कि इस घटनाक्रम के बाद भाजपा प्रतिक्रिया देगी। यानी विधानसभा के शेष कार्यकाल में राजनीतिक लड़ाई तेज ही होगी। वहीं दूसरी ओर राजग के सामने न केवल भाजपा में मुख्यमंत्री का चेहरा जुटाने की चुनौती होगी, वहीं अगले आम चुनाव में उसे बिहार में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। शपथ ग्रहण के बाद नीतीश जिस तरह भाजपा व नरेंद्र मोदी पर हमलावर हुए हैं, उसके निहितार्थ समझना कठिन नहीं है।

# मुश्किल में ट्रंप

मेरिका में दोबारा राष्ट्रपति बनने की दावेदारी हासिल करने के प्रयास में जुटे रिपब्लिकन नेता और व्यवसायी ड़ोनाल्ड ट्रंप को एफबीआई ने जोरदार झटका दिया है। एफबीआई ने फ्लोरिड़ा में पाम बीच स्थित ट्रंप के निजी क्लब और निवास 'मार-ए-लागो एस्टेट' पर छापेमारी की। ट्रंप ने छापों को 2024 में व्हाइट हाउस पहुंचने के उनके प्रयासों में अड़ंगा लगाने वाला करार दिया है। ट्रंप ने कहा कि यह हमारे देश के लिए काला दौर है क्योंकि एफबीआई एजेंटों ने उनके घर पर छापा मारा और उसे कब्जे में ले लिया। अमेरिका के किसी वर्तमान या पूर्व राष्ट्रपति के साथ ऐसा कुछ कभी पहले नहीं हुआ। नेशनल अर्काइव्स एंड रिकॉर्ड्स एडमिनिस्ट्रेशन का कहना है कि उसे मार-आ-लागो एस्टेट के पास से गोपनीय दस्तावेज के 15 बक्से इस साल की शुरु आत में मिले थे। नेशनल अर्काइव्स का कहना है कि ट्रंप ने पद से हटने पर इन दस्तावेज को फेंक दिया होगा। नेशनल अर्काइव्स ने ही न्याय विभाग को इसकी जांच करने को कहा था। इसी जांच में अब तेजी आ गई है। पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि कि क्या इन गोपनीय दस्तावेज के यहां पहुंचने के पीछे ट्रंप की कोई भूमिका है। यह सब कुछ ऐसे वक्त में हो रहा है जब ट्रंप पर 2020 में राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों को कथित तौर पर पलटने की कोशिशों के खिलाफ ग्रैंड ज्यूरी की जांच चल रही है। ट्रंप ने चुनाव में हार को स्वीकार करने से मना कर दिया था। उनके चार साल के शासन के दौरान भी एफबीआई और संसदीय कमेटियां उनके खिलाफ जांच कर रही थीं। ट्रंप और उनके समर्थकों का कहना है कि यह कार्रवाई क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का नतीजा है। डेमोक्रेटिक पार्टी उन्हें 2024 का चुनाव जीतने से रोकने की कोशिश कर रही है। ट्रंप का आरोप है कि ऐसा हमला तीसरी दुनिया यानी गरीब और विकासशील देशों में ही हो सकता है। व्हाइट हाउस का कहना है कि उन्हें छापों के बारे में पहले से कोई जानकारी नहीं थी। एफबी

पांच साल पहले ट्रंप के शासन में ही नियुक्त किया गया था। अमेरिका में गोपनीय दस्तावेज के प्रशासन और देखभाल से जुड़े बहुत सारे संघीय कानून हैं। इस तरह के दस्तावेज को व्हाइट हाउस से बाहर ले जाना और गैर-आधिकारिक जगहों पर रखना अपराध है। बड़बोले ट्रंप को दोषी पाए जाने पर इस मामले में सजा भी हो सकती है।

## चिंतन-मनन

# जीवन के चार आधार

सुसंस्कारिता के चार आधार हैं- समझदारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी और बहादुरी। इन्हें आध्यात्मिक-आंतरिक वरिष्ठता की दृष्टि में उतना ही महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए जितना शरीर के लिए अन्न, जल, वस्त्र और निवास अनिवार्य समझा जाता है। समझदारी का अर्थ है- दूरदर्शी विवेकशीलता अपनाना। आमतौर से लोग तात्कालिक लाभ को सब कुछ मानते हैं और उसे पाने के लिए कोई गलत कदम उठाने में भी संकोच नहीं करते। इससे भविष्य अंधकारमय बन जाता है।

अपराधी तत्वों में से अधिसंख्य इसी मनोवृत्ति के होते हैं। दूरदर्शिता, विवेकशीलता उस अनुभवी किसान की गतिविधियों जैसी हैं, जिनके अनुसार खेत जोतने, बीज बोने, खाद पानी देने, रखवाली करने में आरंभिक हानि और कष्ट सहने को शिरोधार्य किया जाता है। दूरदर्शिता बताती है कि इसका प्रतिफल उसे समयानुसार मिलने ही वाला है। एक बीज के दाने के बदले कई गुना दाने मिलने वाले हैं। संयम और सत्कार्य ऐसी ही बुद्धिमत्ता है। पुण्य परमार्थ में भविष्य को उज्ज्वल बनाने वाली संभावनाएं निहित हैं। संयम का प्रतिफल वैभव और पौरुष के रूप में दृष्टिगत होने ही वाला है। दूरबीन के सहारे दूर तक की वस्तुओं को देखा जा सकता है और उस जानकारी के आधार पर अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण निर्णय लिया जा सकता है। अध्यात्म की भाषा में इसी को तृतीय नेत्र खुलना कहते हैं, जिसके आधार पर विपत्तियों से बचना और उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं का सृजन संभव है।

कथनी-करनी को एक सा रखना ईमानदारी है। सहयोग व सद्भाव अर्जित करने के लिए ईमानदारी प्रमुख आधार है। इसे अपने व्यवसाय में अपनाकर अनेक लोगों ने छोटी स्थिति से उठकर बड़ी सफलता पाई है। बड़े उत्तरादायित्वों को उपलब्ध करने और उसका निर्वाह करने में ईमानदार ही सफल होते हैं। सुसंस्कारिता का तीसरा पक्ष है- जिम्मेदारी। गैर जिम्मेदार उत्तरदायित्वों से निर्लज्जतापूर्वक इंकार कर सकते हैं,पर जिम्मेदार लोगों को अपने उत्तरदायित्वों का नियमबद्ध होकर समय पर निर्वाह करना पड़ता है। जो स्वास्थ्य सुरक्षित रखने की, जीवन संपदा का श्रेष्ठतम सदुपयोग करने की, लोक परलोक उत्कृष्ट बनाने की जिम्मेदारी निभाते हैं, वे ही संतोष, यश आरोग्य का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। चौथा व अंतिम चरण है-बहादुरी। दैनिक जीवन में अनेकानेक उलझनों से निपटने के लिए उपयुक्त साहस आवश्यक है, अन्यथा हड़बड़ी में समाधान का सही उपाय नहीं सूझेगा।

# फहराएं 'तिरंगा' तो यह रखें ख्याल

प्रभुनाथ शुक्ल

राष्ट्रीय ध्वज हमारे गौरव और स्वाभिमान का प्रतीक है। दुनिया का कोई भी देश अपने राष्ट्रीय ध्वज को जान से भी अधिक सम्मान देता है। राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के लिए लाखों लोग बलिदान हो चुके हैं। भारत में राष्ट्रीय ध्वज विशेष अवसरों पर फहराया जाता है। बचपन में जब हम स्कूली शिक्षा ग्रहण कर रहे थे उस दौरान स्वाधीनता और गणतंत्र दिवस पर प्रभातफेरी निकाली जाती थी। उस दौरान स्कूली बच्चे हाथों में तिरंगा लेकर यह गीत गाया करते थे 'विजयी विश्व तिरंगा, प्यारा झंडा ऊंचा रहे हमारा'। राष्ट्रीय ध्वज की परिकल्पना सबसे पहले पिंगली वेंकैया ने की थी।

**तीन रंगों का मतलब:** हमारा राष्ट्रीय ध्वज तीन रंगों से बना है। सबसे ऊपर केसरिया रंग की पट्टी हमारी ताकत को दर्शाती है। सफेद रंग की पट्टी शांति और सत्य का प्रतीक है। सबसे नीचे हरे रंग की पट्टी विकास, उर्वरता और समृद्धि का द्योतक है। सफेद रंग की पट्टी के मध्य स्थापित 'चक्र' अशोक स्तंभ से लिया गया है। चक्र के भीतर कुल 24 से तीलियां है। यह भारत के निरंतर प्रगति का संकेत देती है। संविधान सभा की बैठक में 22 जुलाई, 1947 को इसे राष्ट्रीय ध्वज के रूप में मान्यता मिली। हालांकि इसके पूर्व भी कई तरह के झंडे देश और विदेश में फहराए गए, लेकिन उन्हें राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अंगीकार नहीं किया गया था।

**राष्ट्रीय ध्वज का करें सम्मान:** राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान में कोई गुस्ताखी नहीं होनी चाहिए, क्योंकि यह हमारे गौरव, स्वाभिमान और सम्मान का प्रतीक है। इसके सम्मान की हर हालत में रक्षा की जानी चाहिए। तिरंगे का अपमान राष्ट्र का अपमान होता है। फटे-पुराने एवं कटे हुए तिरंगे को नहीं फहराया जाना चाहिए। संविधान सभा की ओर से राष्ट्रीय ध्वज के रूप में इसे अंगीकार किए जाने के बाद अभी सिर्फ एक बदलाव किया गया जिसमें चरखे की जगह अशोक स्तंभ के 'चक्र' का उपयोग किया गया। इसके बाद राष्ट्रीय ध्वज में कोई भी बदलाव नहीं हुआ।

**फ्लैग कोड ऑफ इंडिया:** राष्ट्रीय ध्वज के रोहण के लिए भी नियम बनाए गए हैं। भारतीय ध्वज संहिता यानी 'फ्लैग कोड ऑफ इंडिया' में सब वर्णित है। भारतीय ध्वज संहिता 26 जनवरी 2002 को प्रभावी हुई है। भारतीय ध्वज संहिता 2002 को पुन:30 दिसंबर 2021 के आदेश द्वारा संशोधित किया गया है। इसमें राष्ट्रीय ध्वज हाथ से कते और बुने हुए या मशीन से कते कॉटन, पॉलिएस्टर, ऊन, रेशम या फिर खादी की

> राष्ट्रीय ध्वज हमारे गौरव और स्वाभिमान का प्रतीक है। दुनिया का कोई भी देश अपने राष्ट्रीय ध्वज को जान से भी अधिक सम्मान देता है। राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के लिए लाखों लोग बलिदान हो चुके हैं। भारत में राष्ट्रीय ध्वज विशेष अवसरों पर फहराया जाता है। बचपन में जब हम स्कूली शिक्षा ग्रहण कर रहे थे उस दौरान स्वाधीनता और गणतंत्र दिवस पर प्रभातफेरी निकाली जाती थी। उस दौरान स्कूली बच्चे हाथों में तिरंगा लेकर यह गीत गाया करते थे 'विजयी विश्व तिरंगा, प्यारा झंडा ऊंचा रहे हमारा'। राष्ट्रीय ध्वज की परिकल्पना सबसे पहले पिंगली वेंकैया ने की थी

पट्टी से बनाया जा सकता है।

**हर नागरिक फहरा सकता है तिरंगा:** भारत का कोई भी नागरिक अपने निजी या सार्वजनिक स्थान, कार्यालय या घर पर तिरंगा फहरा सकता है। हालांकि इसके पूर्व यह अनुमति नहीं थी, लेकिन दिसंबर 2002 में संविधान संशोधन के जरिए अनुमति दी गई। साल 2009 में रात्रि में भी तिरंगे को फहराने की अनुमति दी गई। पूरे भारत में 21 फीट लंबा और 14 फीट चौड़ा तिरंगा सिर्फ तीन स्थानों पर फहराया जाता है। इनमें कर्नाटक का नारगुंड किला, महाराष्ट्र में पनहाला किला और मध्य प्रदेश का ग्वालियर किला शामिल है।

**राष्ट्रीय ध्वज पर लिखना अपराध है:** जब हम ध्वजारोहण करते हैं तो हमें हमेशा ख्याल रखना चाहिए कि हमारे दाहिने तरफ ध्वज होना चाहिए। हमारी ध्वज संहिता में प्लास्टिक का झंडा फहराने पर रोक है। लेकिन बदली परिस्थितियों और व्यापारिक स्थितियों में खूब प्लास्टिक के झंडे का उपयोग किया जाता है। राष्ट्रीय ध्वज की लंबाई और चौड़ाई 3:2 के अनुपात में होनी चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज पर कोई भी चित्र या लेखन नहीं होना चाहिए। तिरंगे का उपयोग व्यावहारिक कार्यों में किसी भी तरीके से नहीं होना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज कभी भी जमीन से नहीं छूना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज के पास किसी भी धार्मिक या अन्य संस्था के झंडे को नहीं लगाया जा सकता है। राष्ट्रीय ध्वज पर किसी भी प्रकार कि कशीदाकारी, कुशन , रूमाल , नैपकिन नहीं बनाई जा सकती है। राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग सजावट के लिए नहीं किया जाएगा। राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग किसी वस्तु को लपेटने , कोई वस्तु प्राप्त करने या वितरित करने के लिए नहीं किया जाएगा। राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग किसी भी वाहन की साइडस , पृष्ठ भाग और ऊपर का भाग ढंकने के लिए नहीं किया जाएगा। इसे सूर्योदय से सूर्यास्त तक हर मौसम में सभी दिनों में फहराया जा सकता है। झंडे को तेज गति से फहराया जाना चाहिए और धीरे-धीरे नीचे उतारा जाना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज पानी , जमीन , फर्श या पगडंडी को नहीं छूना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज को किसी भी ऐसे तरीके से प्रदर्शित या बांधा नहीं जाएगा, जिससे उसके क्षति होने की संभावना हो।

**राष्ट्रीय ध्वज को उल्टा न फहराएं:** राष्ट्रीय ध्वज उल्टा करके कभी भी प्रदर्शित नहीं किया जाएगा अर्थात केसरिया पट्टी को नीचे की पट्टी के रूप में नहीं रखना चाहिए। क्षतिग्रस्त या अस्त - व्यस्त राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शित नहीं किया जाएगा। राष्ट्रीय ध्वज किसी भी समय नीचे नहीं झुकना चाहिए। किसी भी अन्य झंडे को राष्ट्रीय ध्वज से ऊपर या उसके अगल-बगल में नहीं रखा जाएगा। किसी तरह की फूल माला या प्रतीक के साथ कोई वस्तु नहीं रखी जाएगी। 'राष्ट्रीय सम्मान' के अपमान की रोकथाम अधिनियम 1971 के अनुसार राष्ट्रीय ध्वज का उपयोग निजी स्तर पर की जाने वाली अंत्येष्टि अथवा अंत्येष्टि के दौरान आवरण के रूप में नहीं किया जा सकता।

**कब झुकता है राष्ट्रीय ध्वज:** देश में राष्ट्रीय शोक की स्थिति में तिरंगा झुकाया जाता है। देश में जितने दिन का राष्ट्रीय शोक रहता है तिरंगा तब तक झुका रहता है। राष्ट्रीय शोक खत्म होते ही तिरंगा को अपनी ऊंचाई पर सम्मानित कर दिया जाता है। देश के राष्ट्राध्यक्षों और सैनिकों के पार्थिव शरीर को राष्ट्रीय ध्वज में लपेटकर अंतिम विदाई दी जाती है। बाद में ध्वज को सम्मान स्वरूप किसी नदी या गुप्त स्थान पर नष्ट कर दिया जाता है। स्वाधीनता दिवस के अवसर पर हम सभी भारतीयों को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान में कोई गुस्ताखी नहीं करेंगे और जीवन पर्यन्त उसका सम्मान करेंगे। तिरंगा समूचे भारतीयों के लिए गौरव का विषय है। पूरी निष्ठा, ईमानदारी के साथ राष्ट्र के सम्मान में हमें ध्वजारोहण करना चाहिए। अंतिम सांस तक उसके सम्मान की रक्षा का हमें संकल्प भी लेना चाहिए।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

## विचार मंथन

# मंदी में दुनिया

सिद्धार्थ शंकर

रूस-यूक्रेन युद्ध का असर इटली समेत यूरोप के कई देशों की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है। रूस से मिलने वाले कच्चे तेल पर काफी हद तक निर्भर पूर्वी यूरोप के कुछ हिस्से, जर्मनी, इटली एवं तुर्की के लोगों के लोगों के लिए चीजें पहले से महंगी हो गई हैं। डॉलर के मुकाबले 20 वर्ष में पहली बार यूरो में 12 फीसदी की गिरावट देखी गई है। एक यूरो एक डॉलर पर पहुंच गया है। रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से उत्पन्न ऊर्जा संकट को इसका प्रमुख कारण बताया जा रहा है। इसकी वजह से यूरोपीय देशों में आर्थिक मंदी का खतरा उत्पन्न हो गया है। देर-सबेर इसकी छाया भारत पर भी पडऩी तय है। भारत भी अब तक कोविड के नकारात्मक प्रभाव से बाहर नहीं आ सका है। युद्ध के संकट के चलते बाजार में मंदी का प्रभाव है। यह समय हमारे चेतने का है और तैयारियां करने का है। कड़े कदम के तहत हाल ही में रूस ने नॉर्ड स्ट्रीम 1 पाइपलाइन के रखरखाव की बात कहकर इटली को गैस आपूर्ति में कटौती की है।

यूरोप के अन्य देशों में भी हालात बिगड़ रहे हैं। खाद्यान्न संकट और गैस, एवं पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति में कमी की वजह से यह समस्या सामने आई है। बिगड़ती आर्थिक और ऊर्जा संकट की स्थिति से निपटने के लिए इटली आपातकालीन कदम उठाने को मजबूर है। यूरोजोन में महंगाई की दर 8.6 है। जर्मनी को 1991 के बाद पहली बार व्यापार घाटा हुआ है। इसकी वजह तेल की कीमत में काफी तेजी है, सप्लाई चेन की मुश्किलों की वजह से आयात की लागत बढ़ गई है। हंगरी की सरकार ने ऊर्जा के क्षेत्र में आपातकाल स्थिति की घोषणा की है। हंगरी ने ऊर्जा संसाधनों और

जलाऊ लकड़ी के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। यूरो मुद्रा का इस्तेमाल करने वाले देशों में महंगाई रिकॉर्ड दर स्तर पर पहुंच गई है। यूरोप की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं एक साथ कई मोर्चे पर संकट से जूझ रही है। महामारी और युद्ध के संकट ने महंगाई बढ़ा दी है और विकास घट गया है। एक तरफ यूक्रेन युद्ध के प्रभाव में ईंधन की कीमतें आसमान छू रही हैं तो दूसरी तरफ कोविड की महामारी के बाद अर्थव्यवस्था में तेजी पूरी तरह से लौटी नहीं है। इन देशों में रहने वालों के घरेलू खर्च का बजट गड़बड़ा गया है। यह आशंका भी लगातार बनी हुई है कि रूस से तेल और गैस की सप्लाई आने वाले हफ्तों या महीनों में रुक सकती है। रूस दुनिया में तेल का सबसे बड़ा निर्यातक है। जाहिर है कि इस आशंका ने तेल और गैस की कीमतों को और ज्यादा बढ़ाया है। महामारी के चलते बीते दो साल से ज्यादा समय में तेल की मांग और कीमत काफी नीचे चले गए थे। इसके नतीजे में तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक और उसके सहयोगी रूस ने उत्पादन बढ़ाने में काफी सावधानी बरती और फिर तेल के दाम ऊपर चले गए। युद्ध शुरू होने से पहले ही बढ़ रही तेल की कीमतों को अब पर लग गए हैं। यूक्रेन युद्ध के चलते कई जर्मन कंपनियों के उत्पादन में बाधा आई है। प्रमुख कार कंपनी फोल्क्सवागन को तो कई बार अपनी फैक्ट्री बंद करने की नौबत आ गई।

इसी हफ्ते की शुरुआत

में 2022 के लिए जर्मनी ने विकास दर का अनुमान 3.6 फीसदी से घटा कर 2.2 कर दिया। महंगाई के कारण फ्रांस में भी पहली तिमाही में विकास दर घट कर शून्य हो गयी है. इससे पहले अनुमान लगाया गया था कि यह 0.3 फीसदी बढ़ेगी। इसी तरह वहां सालाना विकास दर भी अप्रैल में बढ़ कर 4.8 हो गई है जो एक महीने पहले 4.5 फीसदी थी। फ्रांस की अर्थव्यवस्था ने पिछले साल मजबूत वापसी की थी और ऐसा लग रहा था कि कोरोना काल में हुए नुकसान की सारी भरपाई हो गई लेकिन अब जो हालात बन रहे हैं उसमें मंदी का आशंका जोर पकड़ रही है। कीमतों के ज्यादा होने से मांग में तेजी नहीं आ रही है दूसरी तरफ ऊर्जा और खाने पीने की चीजों की सप्लाई पर संकट मंडरा रहा है।

## पर्यावरण

# पेड़ों पर भी बांधी जाती है राखी

सुरेश भाई

चिपको के बाद रक्षा सूत्र आंदोलन 1994 में वनों की व्यावसायिक कटाई के खिलाफ प्रारंभ हुआ था।

उत्तराखंड में भिलंगना, बालगंगा, धर्म गंगा, जलकुर, अलकनंदा, भागीरथी नदियों के जल ग्रहण क्षेत्र में 10-11 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित रयाला, चौरंगी खाल, हरसिल, हारूंता, अडाला आदि वन क्षेत्रों में व्यावसायिक कटाई प्रारंभ हुई थी। इससे चिंतित होकर नवयुवकों ने एक पर्यावरण टीम गठित करके वनों में जाकर कटान का अध्ययन किया। पाया कि वन विभाग ने वन निगम के साथ मिलकर हजारों हरे पेड़ों पर छपान कर रखा था और अंधाधुंध कटान हो रहा था। इसकी सूचना मिलने पर ग्रामीण सजग हुए। उन्होंने जानने का प्रयास किया कि वन निगम आखिर, किसकी स्वीकृति से हरे पेड़ काट रहा है।

पता चला कि क्षेत्र के ग्राम प्रधानों से ही वन विभाग ने मुहर लगवा दी थी कि उनके आसपास के जंगलों में काफी पेड़ सूखे हुए हैं, जिसके कारण गांव की महिलाएं जंगल में आना-जाना नहीं कर पा रही हैं। दुर्भाग्य की बात यह थी कि प्रतिनिधियों को ही जंगलों को काटने का ठेका मिला हुआ था जिसके कारण ग्रामीणों को पहले अपने ही जनप्रतिनिधियों से संघर्ष करना पड़ा। वन कटान रोकने के लिए टिहरी-उत्तरकाशी के थाती, खवाड़ा, भेटी, डालगांव, दिखोली, चौंदियाटगांव, भेटियारा, कमद, मुखेम, हरसिल, मुखवा, उत्तरकाशी आदि गांव के लोगों ने बैठक में निर्णय लिया कि पेड़ों पर रक्षा सूत्र बांधे जाएंगे। इसे रक्षा सूत्र आंदोलन के नाम से जाना जाता है।

इसकी मांग थी कि जंगलों से सर्वप्रथम लोगों के हक हकूक पूरे होने चाहिए और कटान का सर्वाधिक दोषी वन निगम में आमूलचूल परिवर्तन करने की मांग उठाई गई। यह भी मांग थी कि गांव वालों की आवश्यकता की पूर्ति के बाद जंगल में इससे अधिक वन उत्पाद प्राप्त हो सकते हैं, तो निश्चित ही इसका इस्तेमाल दूसरी जगह होना चाहिए। ऊंचाई की दुर्लभ वन प्रजाति कैल, मुरैंडा, खरसू, राई, दालचीनी, देवदार आदि की लाखों

प्रजातियों को बचाने का काम रक्षा सूत्र आंदोलन ने किया है। इन वन प्रजातियों के कारण वप्रा नियंत्रित रहती है, और निचली घाटियों की ओर पानी के स्रेत निकल कर आते हैं। रक्षा सूत्र आंदोलन के कारण महिलाओं का पेड़ों से भाइयों का जैसा रिश्ता बना है। जिस तरह चिपको आंदोलन की महिला नेत्री गौरा देवी ने जंगल को अपना मायका कहा है, उसको रक्षा सूत्र आंदोलन ने मूर्त रूप दिया है। प्रभावी रूप से वनों पर जनता के पारंपरिक अधिकारों की रक्षा का बीड़ा उठाया है।

हिमालयी पर्यावरण शिक्षा संस्थान ने रक्षा सूत्र आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए ग्राम वन के विकास-प्रसार पर भी ध्यान दिया। इसके अंतर्गत जहां-जहां लोग परंपरागत तरीके से वन बचाते रहे हैं, और इसका संतुलित दोहन भी करते हैं, ऐसे कई गांवों में ग्राम वन के संरक्षण के लिए पेड़ों पर रक्षा सूत्र बांधे जाते हैं। ग्राम वन की व्यवस्था गांव आधारित चौकीदारी प्रथा से की जाती है। इसके कारण गांव वालों की चारपति, जंगली जानवरों से खेती व फसल सुरक्षा, पड़ोसी गांव से भी जंगल की सुरक्षा की जाती है।

इस कारण महिलाओं के कष्टमय जीवन को राहत मिलती है। वन संरक्षण व संवर्धन के साथ-साथ जल संरक्षण के काम को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया गया। गांव-गांव महिला संगठनों द्वारा अग्नि नियंत्रण के लिए भी स्थान-स्थान पर रक्षा सूत्र आंदोलन चल रहा है। इस कार्य में उत्तराखंड की अनेकों क्रांतिकारी महिलाएं आगे आई जिनमें मंदोदरी देवी, जेठी देवी, सुशीला पैन्यूली, सुमति नौटियाल, बसंती नेगी, मीना नौटियाल, कुंवारी कलूड़ा, गंगा देवी चौहान, हिमला, विमला, उमा बिष्ट, अनीता बिष्ट आदि शामिल हैं।

रक्षा सूत्र आंदोलन की सफलता ने वनों के प्रति नई दृष्टि को जन्म दिया। अब उत्तराखंड में विभिन्न इलाकों में वन आंदोलन चलने लगे हैं। रक्षा सूत्र कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र में प्रत्येक वर्ष सघन वृक्षारोपण के साथ-साथ वनों को बचाने के लिए पेड़ों पर रक्षा सूत्र भी बांधते हैं ताकि लोगों की पेड़ों से आत्मीयता बनी रहे। कोविड-19 के दौरान कई क्षेत्रों में व्यावसायिक दोहन बड़ी मात्रा में हो रहा था। इसकी सूचना वन एवं पर्यावरण मंत्रालय को दी गई थी जिसके बाद उत्तराखंड में हजारों पेड़ों को कटने से बचाया गया है।

वन निगम की 'वनों को काटो और बेचो' के कारण ही लोगों ने चिपको के बाद पेड़ों पर रक्षा सूत्र बांधे हैं, जो इतने तक ही सीमित नहीं रहा है, बल्कि जल, जंगल, जमीन की एकीकृत समझ बनाने के प्रति लोगों को जागरूक करता आ रहा है। स्कूल-कॉलेजों के बच्चे वृक्षारोपण के दौरान पेड़ों पर राखी बांधते हैं। रक्षाबंधन के पर्व पर भाई-बहन के अलावा पेड़ों पर भी रक्षा सूत्र बांधते हैं ताकि वे समय-समय पर घास, लकड़ी, पानी की आपूर्ति करें और उसके बदले समाज उनकी रक्षा के लिए तैयार रहें। वनों की व्यावसायिक कटाई के खिलाफ रक्षा सूत्र आंदोलन लगातार जारी है।

(लेखक रक्षा सूत्र आंदोलन के प्रेरक हैं)

## सार समाचार

## कोविशील्ड या कोवैक्सीन का टीका लगवा चुके लोग, बूस्टर के तौर पर कॉर्बेवैक्स की वैक्सीन ले सकते

नई दिल्ली । अगर आपने कोविशील्ड या कोवैक्सीन का टीका लगवा रखा हैं, तब अब आप बूस्टर के तौर पर कॉर्बेवैक्स की वैक्सीन लगवा सकते हैं। गौरतलब है कि मोदी सरकार ने कॉर्बेवैक्स वैक्सीन को 12-14 साल के बच्चों के लिए पहले ही मंजूरी दे चुकी है। इधर कोरोना के बढ़ते मामले के कारण दिल्ली में सख्ती भी बढ़ा दी गई है। राज्य में सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनना अनिवार्य किया गया है। केंद्र ने 18 साल से अधिक उम्र के उन लोगों को 'कॉर्बेवैक्स' टीके की बूस्टर खुराक देने को मंजूरी दे दी, जो कोविशील्ड या कोवैक्सीन टीके की दो खुराक ले चुके हैं। देश में ऐसा पहली बार हो रहा है, जब पहली और दूसरी खुराक के तौर पर दिए गए टीके से अलग किसी टीके को बतौर एहतियाती खुराक लगाने की अनुमति दी गई। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश सचिव ने राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को भेज पत्र में कहा है, कि तीसरी खुराक के लिए पात्र लोगों द्वारा 'कॉर्बेवैक्स' लेने के सिलसिले में कोविन पोर्टल में सभी जरूरी बदलाव किए हैं। उन्होंने कहा कि 18 साल से अधिक उम्र के जिन लोगों को कोवैक्सीन या कोविशील्ड की दूसरी खुराक लिए छह महीने या 26 सप्ताह हो गए हैं, उनके लिए कॉर्बेवैक्स एहतियाती खुराक के तौर पर उपलब्ध होगा। भूषण ने कहा, 'इससे इस उम्र वर्ग में एहतियाती खुराक के तौर पर कॉर्बेवैक्स का कोरोना के दूसरे टीके के तौर पर उपयोग होगा। उन्होंने कहा कि कोवैक्सीन और कोविशील्ड की तीसरी खुराक के संबंध में वर्तमान दिशानिर्देशों में कोई बदलाव नहीं है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इससे कोरोना के खिलाफ भारत की लड़ाई और मजबूत होगी। उन्होंने ट्वीट किया, भारत का स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय 18 साल से अधिक उम्र के उन लोगों के लिए एहतियाती खुराक के तौर पर कॉर्बेवैक्स का प्रस्ताव करता है, जिन्हें कोविशील्ड या कोवैक्सीन टीके लगे हैं और उनकी दूसरी खुराक के छह माह या 26 सप्ताह बीत गए हैं। यह प्रावधन 12 अगस्त से उपलब्ध होगा।' भारत का पहला स्वदेशी आरबीडी प्रोटीन सबयूनिट 'कॉर्बेवैक्स' टीका फिलहाल 12 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों को लगाया जा रहा है।

## राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता महिला पहलवान दिव्या का केजरीवाल सरकार ने किया अपमान

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार पर आरोप लगाया कि आप ने राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता दिव्या काकरान को कथित तौर पर निशाना बनाकर महिलाओं और खिलाड़ियों का अपमान किया है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि दिव्या ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के समक्ष कुछ सवाल उठाए,तब आप की सोशल मीडिया टीम ने उन्हें निशाना बनाना आरंभ कर दिया। जबकि उसके नेता सौरभ भारद्वाज ने तो उनका ''अपमान'' करते हुए उनसे प्रमाणपत्र दिखाने की मांग कर डाली। पहलवान दिव्या ने पिछले दिनों आरोप लगाया था कि दिल्ली निवासी होने और कई अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाएं जीतने के बावजूद उन्हें दिल्ली सरकार की तरफ से कभी कोई मदद नहीं मिली। पूनावाला ने पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि काकरान ने उसके बाद दिल्ली का प्रतिनिधित्व करने का प्रमाणपत्र भी दिया। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि जिन खिलाड़ियों ने तिरंगे के सम्मान के लिए अपना जी जान लगाने का काम किया, उनको प्रांतों में बांटकर आप अपमानित करने का दुस्साहस करती है। काकरान ने महिलाओं के 68 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में कांस्य पदक जीता था। उन्हें बधाई देने वालों में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी शामिल थे। लेकिन, रविवार को काकरान ने सिलसिलेवार ट्वीट करते हुए कहा कि सरकार ने कभी उनकी मदद नहीं की। उन्होंने केजरीवाल से भारद्वाज को सभी पदों से हटाने की मांग की।

## कश्मीरी पंडितों को नहीं मिला वेतन

जम्मू । प्रधानमंत्री पैकेज के तहत घाटी में नौकरी पाने वाले कश्मीरी पंडितों को 2 माह का वेतन नहीं मिला। कश्मीरी पंडित पिछले 91 दिन से धरने पर बैठे हैं। धरने पर बैठे कश्मीरी पंडितों की मांग है सरकार उनकी सुरक्षा नहीं कर पा रही है। अतः उनका ट्रांसफर कश्मीर घाटी से जम्मू किया जाए। सरकार ने केवल 5 कर्मचारियों के ट्रांसफर किए हैं। जिसके कारण कश्मीरी पंडित कर्मचारी धरने पर डटे हुए हैं। सरकार ने कश्मीरी पंडित कर्मचारियों का ट्रांसफर घाटी में ही सुरक्षित स्थानों पर किया है। हिंदुओं की हत्याओं का सिलसिला घाटी में नहीं रुक रहा है। जिसके कारण कश्मीरी पंडित कर्मचारी नवीन स्थान पर भी ड्यूटी ज्वाइन नहीं कर रहे हैं। धरना पर बैठे कर्मचारियों ने वहां जॉइनिंग नहीं दी है। जिसके कारण अब उन्हें वेतन भी नहीं मिल पा रहा है। 2 माह का वेतन नहीं मिलने से कश्मीरी पंडित कर्मचारी आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं।

## गुजरात, मप्र, महाराष्ट्र, झारखंड, प. बंगाल व ओडिशा में भारी बारिश का अनुमान

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में झमाझम बारिश हो रही है। झारखंड, पश्चिम बंगाल व ओडिशा समेत कई राज्यों में भारी बारिश का अनुमान जताया गया है। ओडिशा में 13 अगस्त तक बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग ने रेड अलर्ट भी जारी किया है। इसके अलावा, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में भी कुछ जगहों पर तेज बारिश का पूर्वानुमान लगाया गया है। दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। 25 से 35 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। बहुत ही हल्की वर्षा या बूंदाबांदी होने के आसार हैं। अधिकतम एवं न्यूनतम पारा क्रमशः 35 व 28 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। स्काईमेट वेदर के मुताबिक गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, कोंकण, गोवा और तटीय कर्नाटक में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। छत्तीसगढ़, केरल, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हल्की से मध्यम बारिश के साथ एक या दो स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। केरल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के कुछ हिस्सों, गंगीय पश्चिम बंगाल, ओडिशा, पंजाब, हरियाणा और पूर्वी राजस्थान में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। पूर्वोत्तर भारत, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, जम्मू कश्मीर लद्दाख, उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों, बिहार, तटीय ओडिशा, आंतरिक कर्नाटक और लक्षद्वीप में हल्की बारिश संभव है। पंजाब के कई इलाकों में मौसम का मिजाज अच्छा रहने का अनुमान है। ज्यादातर इलाकों में बादल छाएंगे और कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा का भी अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक मध्य प्रदेश में 2-3 दिन अच्छी बारिश होने की संभावना है। वहीं पूर्वी मध्य प्रदेश के कई जिलों में अधिक बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने इंदौर, उज्जैन और नर्मदापुरम संभाग के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं भोपाल और जबलपुर संभाग के जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम, भोपाल, शहडोल, जबलपुर, सागर, रीवा, चंबल और ग्वालियर संभाग में गरज और चमक के साथ बिजली गिरने की संभावना है। राजधानी भोपाल में भी लगातार बारिश की का दौर जारी है।

## ट्राइब्यूनल कोर्ट के आदेश पर सड़क दुर्घटना में बेटे की मौत पर मां को मिलेगा 3 करोड़ रुपए का मुआवजा

मुंबई । महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में भीषण सड़क दुर्घटना क मां ने अपने बेटे को खो दिया था। अब ट्राइब्यूनल कोर्ट के आदेश पर महिला की 3 करोड़ रुपये मुआवजा मिलेगा। यह मुआवजा बीमा कंपनियां ट्राइब्यूनल कोर्ट के आदेश के बाद देंगी। यह दुर्घटना दावा अब तक किए गए सबसे अधिक भुगतान में से एक होगा। महिला का बेटा कोटेक महिंद्रा बैंक में अधिकारी के पद पर था। 2016 में मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर एक कार और उसके वाहन की टक्कर से युवक की मौत हो गई थी। मामला भांडुप की 65 वर्षीय महिला से जुड़ा है। भूषण जाधव अपने परिवार के साथ हाइवे के किनारे बने एक गांव में गए थे, जहां उनके रिश्तेदार रहते हैं। उनके परिवार के लोग रिश्तेदारों से मिलने चले गए, जबकि भूषण और उनके पिता कार में ही बैठे थे। परिवार पालघर जा रहा था। भूषण (38) बैंक में सहायक उपाध्यक्ष था, वह 2 लाख रुपये मासिक वेतन कमा रहा था। उसकी शादी होने वाली थी। यह मानते हुए कि यह समग्र लापरवाही का मामला था, ट्राइब्यूनल ने आपत्तिजनक कार, महिंद्रा पिकअप की बीमा कंपनी, मालिक और ड्राइवर को 70 फीसदी देयता वहन करने का निर्देश दिया। जिस इनोवा कार में पीड़ित यात्रा कर रहा था, उसके बीमाकर्ता, चालक और मालिक को शेष 30 फीसदी मुआवजे का भुगतान करना है। ट्राइब्यूनल ने माना कि इनोवा को लापरवाही से एक राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे खड़ा किया गया था। ट्राइब्यूनल ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे वाहन पार्क करना सभी के लिए खुला नहीं है, जिस पर वाहन तेज गति से चलाया जा रहा है। इसलिए, चूंकि इनोवा वाहन के चालक ने अपना वाहन राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे खड़ा किया, इसलिए कुछ हद तक वह दुर्घटना के लिए भी जिम्मेदार है। ट्राइब्यूनल ने हालांकि कहा कि महिंद्रा पिकअप मुख्य रूप से जिम्मेदार था। कहा, 'मौजूदा मामले में, दुर्घटना दिन के उजाले में लगभग 8:30 बजे हुई। प्रासंगिक समय पर, वह तेज गति में था। उस घटना में, वह अपने वाहन को नियंत्रित करने में असमर्थ था और कार के पिछले हिस्से को टक्कर मार दी। इनोवा कार उसे बहुत दूर से दिखाई दे रही थी फिर भी वह अपने वाहन को नियंत्रित नहीं कर सका।

# रेवड़ी कल्चर पर सियासत जारी, केंद्र पर निशाना साधते हुए केजरीवाल बोले- सैनिकों और गरीबों के लिए पैसा नहीं, दोस्तों का माफ किया कर्ज

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

देश में फ्री की पॉलिटिक्स पर जबरदस्त तरीके से सियासत जारी है। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश में एक सभा में रेवड़ी कल्चर को देश के लिए हानिकारक बताया था। उसके बाद से अरविंद केजरीवाल जबरदस्त तरीके से केंद्र सरकार पर हमलावर हैं। आज एक बार फिर से उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि केंद्र जिस तरह से लोगों के लिए मुफ्त योजनाओं का विरोध कर रहा है, उससे ऐसा लगता है कि उसकी वित्तीय स्थिति गंभीर है। उन्होंने दावा किया कि केंद्र ने मित्रों का कर्ज माफ किया, धनी लोगों के पांच लाख करोड़ रुपये के कर माफ किए हैं।

केजरीवाल ने कहा कि हर रोज डीजल-पेट्रोल से टैक्स पर 1,000 करोड़ रुपए की आमदनी होती है। ये सारा पैसा कहां गया? वे (केंद्र सरकार) कह रहे हैं कि जनता को जितनी भी मुफ्त की सुविधाएं मिलती है वो बंद होनी चाहिए। सरकारी स्कूलों और अस्पतालों में फीस ली जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अग्निपथ योजना जब लेकर आए तो कहा गया कि इसको लाने की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि सैनिकों के पेंशन का खर्च इतना बढ़ गया कि केंद्र सरकार उसको बर्दाश्त नहीं कर पा रही। आज़ादी के बाद पहली बार ऐसा हो रहा है कि कोई सरकार ऐसा कह रही है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों से जिस तरह से जनता को मुफ्त में मिलने वाली सुविधाओं का विरोध किया जा रहा है कहा जा रहा है कि सारी मुफ्त की सुविधाओं को बंद किया जाए। केजरीवाल ने सवाल किया कि क्या केंद्र सरकार की आर्थिक हालत ज्यादा खराब तो नहीं हो गई है?

आप नेता ने सवाल करते हुए पूछा कि कहां गया केंद्र का सारा पैसा? वे इस सरकारी पैसे से अपने दोस्तों का कर्ज माफ कर रहे हैं। उन्होंने अपने अरबपति दोस्तों के टैक्स भी माफ कर दिए हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बहस्पतिवार को कहा कि केंद्र जिस तरह से लोगों को मुफ्त सुविधाएं दिए जाने का 'कड़ा विरोध' कर रहा है, उससे लगता है कि उसकी वित्तीय स्थिति कुछ गड़बड़ है। रक्षा भर्ती योजना अग्निपथ, केंद्रीय करों में राज्यों की हिस्सेदारी 42 फीसदी से घटाकर 29 फीसदी करने, खाद्य पदार्थों पर लगाए गए माल एवं सेवा कर (जीएसटी) और मनरेगा कोष में 25 फीसदी कटौती का हवाला देते हुए केजरीवाल ने पूछा कि सारा पैसा कहां जा रहा है?

## दिल्ली में कानून-व्यवस्था की 'खराब स्थिति' पर भाजपा क्या बहाना बनाएगी: चिदंबरम

**नयी दिल्ली।** कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने दिल्ली में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि वह, राष्ट्रीय राजधानी में अपराध की स्थिति 'चिंताजनक ढंग से खराब होने' को लेकर क्या बहाना बनाएगी? दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इस साल के शुरुआती साढ़े छह महीनों में पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में 17 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है और बलात्कार के रोजाना छह मामले दर्ज किए गए हैं। पूर्व गृह मंत्री चिदंबरम ने ट्वीट किया, ''दिल्ली में इस साल 15 जुलाई तक बलात्कार के 1100 मामले दर्ज किए गए। इसका मतलब है कि प्रतिदिन पांच मामले दर्ज किए गए।'' उन्होंने सवाल किया, '' दिल्ली में कानून-व्यवस्था केंद्र सरकार के अंतर्गत है।

# मोदी सरकार को घेरने की तैयारी में कांग्रेस

## महंगाई-बेरोजगारी को लेकर रामलीला मैदान में करेगी हल्ला बोल रैली

**नई दिल्ली। (एजेंसी)।**

कांग्रेस महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरने के मकसद से आगामी 28 अगस्त को दिल्ली के रामलीला मैदान में महंगाई पर हल्ला बोल रैली का आयोजन करेगी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश के अनुसार, इस रैली से पहले 17 अगस्त से 23 अगस्त के बीच देश के सभी विधानसभा क्षेत्रों की मंडियों, खुदरा बाजारों और अन्य कई स्थानों पर महंगाई चौपाल आयोजित की जाएगी। उन्होंने एक बयान में कहा, कांग्रेस ने गत पांच अगस्त को मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आंदोलन किया जिसके साथ लोगों ने खुद को जोड़ा। प्रधानमंत्री ने हताशा में आकर इसे काला जादू बताने का प्रयास किया जो इस बात को दर्शाता है कि भाजपा सरकार आसमान छूती महंगाई और बेरोजगारी पर अंकुश लगाने में नाकाम रही है।

रमेश के अनुसार, कांग्रेस महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ अपनी लड़ाई को आने वाले हफ्तों में और तेज करेगी। उन्होंने कहा, कांग्रेस 17 अगस्त से 23 अगस्त के बीच देश के सभी विधानसभा क्षेत्रों में मंडियों, खुदरा बाजारों और अन्य कई स्थानों पर महंगाई चौपाल आयोजितकरेगी। इसका समापन 28 अगस्त को रामलीला मैदान में महंगाई पर हल्ला बोल रैली के साथ होगा। इस रैली को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संबोधित करेंगे। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि रामलीला मैदान की रैली को पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी संबोधित करेंगे। रमेश ने बताया कि इस रैली से इतर प्रदेश कांग्रेस कमेटियां राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर महंगाई पर हल्ला बोल - चलो दिल्ली कार्यक्रम का आयोजन करेंगी।

उन्होंने दावा किया, भारत के लोग मोदी सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन का खामियाजा भुगत रहे हैं। दही, छाछ, पैक की गई खाद्य वस्तुएं जैसे आवश्यक सामानों पर अत्यधिक करों के कारण महंगाई बढ़ रही है, जबकि सार्वजनिक सम्पत्तियों को मित्र पूंजीपतियों को हस्तांतरित करने और सेना में भर्ती की दिशाहीन अग्निपथ योजना जैसे कदमों से रोजगार की स्थिति बद से बदतर हो रही है। उन्होंने कहा, कांग्रेस इन जनविरोधी नीतियों पर लोगों में जागरूकता फैलाती रहेगी और भाजपा सरकार पर उसकी गलत नीतियों को बदलने के लिए दबाव बढ़ाएगी।

## महाराष्ट्र के नेता का दावा, नीतिश फिर से कभी भी पाला बदल सकते हैं

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

राजनीतिक गलियारों में इनदिनों सिर्फ और सिर्फ बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की चर्चा है। भाजपा से नाता तोड़ कर उन्होंने राजद के साथ हाथ मिला लिया। लेकिन अब भी कई नेताओं को लगता है कि नीतीश कभी भी पाला बदल सकते हैं। दरअसल पिछले पांच साल में उन्होंने दो बार पलटी मार का राज्य में राजनीतिक भूचाल खड़ा कर दिया है। महाराष्ट्र के मंत्री दीपक केसरकर ने कहा है कि नया गठबंधन सिर्फ एक फेज है और नीतीश कभी भी अपना फैसला पलट सकते हैं। केसरकर ने कहा, ये सिर्फ एक फेज है, मेरा मतलब ये नहीं है, कि मैं सीएम नीतीश कुमार की आलोचना कर रहा हूं। वहां एक वरिष्ठ राजनेता हैं जिन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में राज्य की अच्छी सेवा की है। लेकिन अगर उन्हें लगता है कि उन्होंने गलत पार्टी चुनी है, तब वहां अपने फैसले पर पुनर्विचार कर सकते हैं। यह अभूतपूर्व नहीं है। भारतीय जनता पार्टी के नेता सुशील कुमार मोदी ने कहा कि बिहार की नई सरकार 2025 में अपना कार्यकाल पूरा करने से पहले ही गिरेगी। मोदी ने राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भारतीय जनता पार्टी से नाता तोड़ने और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेतृत्व वाले महागठबंधन का नेता चुने जाने के एक दिन बाद यह बात कही। सुशील मोदी ने कहा कि जनता दल यूनाइटेड (जदयू) प्रमुख नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को वोट देने वाली बिहार की जनता का अपमान किया है। हालांकि भाजपा के दावों को खारिज कर नीतीश कुमार ने कहा कि 2015 में जैसे हमलोग साथ थे, फिर हो गए और बिहार के हित में काम करने वाले हैं। जदयू के खिलाफ रची गई भाजपा की कथित साजिश की ओर इशारा करते हुए नीतीश ने कहा, '2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में जदयू के साथ क्या हुआ था। मैं 2020 में मुख्यमंत्री नहीं बनना चाहता था। आप सभी साक्षी हैं कि तब से क्या हो रहा था।

## अयोध्या जमीन घोटाला खतौनी लेकर घूम रहे भूस्वामी अवैध कब्जेदार बने करोड़पति

**नयी दिल्ली।(एजेंसी)।**

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के साथ राजस्व अभिलेखों में हेराफेरी कर जमीनों को हथियाने का खेल अधिकारियों व कर्मचारियों की मिलीभगत से किया जा रहा है। खेल में वास्तविक भूस्वामी खतौनी लेकर घूम रहे हैं और अवैध कब्जेदार करोड़ों का सौदा कर कब्जा दूसरों के हवाले कर दे रहे हैं। सरयू विकास समिति के अध्यक्ष अवधेश कुमार सिंह ने इसकी शिकायत जिला प्रशासन से लेकर मुख्यमंत्री पोर्टल तक की लेकिन कार्यवाही नहीं हुई। इस शिकायत में राजस्व अभिलेखों में हेराफेरी की भी सूचना साक्ष्य सहित संलग्न की गई है लेकिन अधिकारियों व कर्मचारियों की मिलीभगत के कारण शासन को गुमराह किया जा रहा है। मांझा जमथरा के खेवट संख्या एक में अक्षय बीबी के नाम से 1345 फसली व 1365 फसली के अभिलेखों में महज 11 बीघा 18 बिस्वा भूमि दर्ज थी। इसमें हेराफेरी कर इस खाते में छह सौ बीघा भूमि दर्ज कर दी गई है। इसी तरह जमीन के कई खातों में हेराफेरी कर फर्जी खतौनी बनाई जा रही हैं और बैनामा कर जमीन की बाउंड्री कराकर कब्जा भी हस्तान्तरित कर दिया जा रहा हैं। इसी तरह खेवट संख्या 15 के गाटा संख्या एक व 57/ 460 में क्रमशः 78 व 25 बीघा जमीन है। इसकी भी फर्जी खतौनी बनाकर लाखों में जमीन बेच दी गई। बताया गया कि मांझा जमथरा में गाटा संख्या एक में 12 सौ बीघा जमीन है। जबकि गाटा संख्या 57 में दो हजार बीघा जमीन है। इस तरह के संयुक्त खातों के चलते भूस्वामी भटक रहे हैं। राम मंदिर से करीब दो सौ मीटर दूर मांझा जमथरा में आजादी के बाद से चकबंदी नहीं हुई है। इस बीच डूब क्षेत्र की नवैय्यत भी बदल चुकी है जिसके कारण भूमाफियाओं की पौ बारह है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद से जमीनों के भाव आसमान छूने लगे है और बड़े-बड़े निवेशक जमीनों में निवेश कर रहे हैं।

# गालीबाज नेता श्रीकांत त्यागी को कोर्ट से राहत नहीं, खारिज की जमानत याचिका

**नोएडा (एजेंसी)।**

यूपी के नोएडा में विगत दिनों एक महिला से बहसलूकी मामले में गालीबाज नेता श्रीकांत त्यागी को कर्ठ से राहत नहीं मिली है। कोर्ट ने श्रीकांत त्यागी की जमानत अर्जी को खारिज कर दी है। बताया गया कि महिला से मारपीट-दुर्व्यवहार मामले में श्रीकांत त्यागी की जमानत याचिका खारिज हुई। 16 अगस्त को धारा 420 (धोखाधड़ी और बेईमानी से संपत्ति की सुपुर्दगी) के तहत एक अन्य मामले में सुनवाई होगी।

इससे पहले नोएडा की एक अदालत ने एक महिला से बदसलूकी करने के मामले में गिरफ्तार तथा धोखाधड़ी सहित विभिन्न मामलों में आरोपी श्रीकांत त्यागी की जमानत याचिका पर अपना फैसला बुधवार को सुरक्षित रख लिया था। त्यागी को मंगलवार को मेरठ से गिरफ्तार किया गया था और उसे अदालत में पेश किया था, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। त्यागी के वकील सुशील भाटी ने बताया कि उन्होंने बुधवार को जमानत याचिका अदालत में दाखिल की थी। त्यागी के साथ उसके तीन और साथी भी गिरफ्तार हुए थे।

गौरतलब है कि सेक्टर 93-बी स्थित ग्रैंड ओमेक्स सोसायटी में रहने वाली एक महिला ने सोसायटी में नियमों के उल्लंघन का हवाला देते हुए श्रीकांत त्यागी द्वारा कुछ पेड़ लगाने पर आपत्ति जताई थी जिसके बाद त्यागी ने महिला से कथित तौर पर अभद्र व्यवहार किया और उसे धक्का भी दिया था। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया परपोस्ट हुआ था। श्रीकांत त्यागी खुद को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से संबद्ध बताता है, जबकि पार्टी ने उससे दूरी बनाए रखी है। मामले को लेकर विपक्षी दलों ने भाजपा पर निशाना साधा है। विपक्षी दलों ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा तथा पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ त्यागी की कथित तस्वीरें भी साझा की हैं।

# दिल्ली में डराने लगा कोरोना, मास्क पहनना हुआ अनिवार्य, नहीं लगाने पर 500 रुपये का जुर्माना

**नयी दिल्ली, (एजेंसी)।**

दिल्ली में एक बार फिर से कोरोना काल के दौरान लगी पाबंदियों की वापसी दिखाई दे रही है। दरअसल, पिछले 2 सप्ताह में दिल्ली में कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। यही कारण है कि दिल्ली में सभी सार्वजनिक जगहों पर मास्क को अनिवार्य कर दिया गया है। मास्क नहीं पहनने पर पकड़े जाने की स्थिति में 500 रुपये का जुर्माना भी देना होगा। हालांकि, निजी कार में सवार लोगों को मस्त ना पहनने पर यह जुर्माना नहीं देना होगा। आपको बता दें कि दिल्ली में लगातार कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है।

जानकारी के मुताबित दिल्ली सरकार ने सभी सार्वजनिक स्थानों पर फेस मास्क पहनना अनिवार्य किया। उल्लंघन करने वालों पर 500 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। अधिसूचना के इस प्रावधान के तहत निजी चार पहिया वाहनों में एक साथ यात्रा करने वाले व्यक्तियों पर जुर्माना लागू नहीं होगा। दिल्ली में बुधवार को कोविड-19 के 2,146 नए मामले सामने आए और आठ मरीजों की मौत हो गई जबकि संक्रमण दर 17.83 प्रतिशत रही। राष्ट्रीय राजधानी में 180 दिन के बाद कोविड-19 के कारण इतने मरीजों की मौत हुई है। इससे पहले 13 फरवरी को दिल्ली में कोविड-19 के कारण 12 मरीजों की मौत हुई थी। बुलेटिन के अनुसार दिल्ली में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या 8,205 है। दिल्ली में 5,549 मरीज घर पर ही रहकर अपना इलाज करवा रहे हैं।

### 16,299 नए मामले

भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 16,299 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,42,06,996 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 1,25,076 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बृहस्पतिवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से 53 और लोगों की मौत होने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 5,26,879 हो गई। इन 53 मामलों में वे चार लोग भी शामिल हैं, जिनके नाम संक्रमण से मौत के आंकड़ों का पुनर्मिलान करते हुए केरल ने संक्रमण से हुई मौत की सूची में डाले हैं।

# अपने आहार पर करें फोकस आंखें रहेंगी अच्छी

**सूरजमुखी के बीज और नट्स में विटामिन ई प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन ई के साथ-साथ जब अन्य पोषक तत्वों का सेवन किया जाता है तो इससे उम्र के होने वाली आंखों की कमजोरी को काफी हद तक रोका जा सकता है।**

आंखें यकीनन व्यक्ति के शरीर का बेहद महत्वपूर्ण अंग है। छोटी सी आंखों की मदद से आप इतने बड़े संसार को देख पाते हैं। लेकिन आज के समय में जब लोग अपना ज्यादातर समय स्क्रीन पर बिताते हैं तो उसके कारण आंखों को काफी नुकसान पहुंचता है। यही कारण है कि बेहद कम उम्र में ही लोगों की आंखों पर चश्मा लग जाता है। लेकिन अगर आप लंबे समय तक अपनी आंखों की रोशनी को यूं ही बनाए रखना चाहते हैं तो जरूरी है कि आप अपने आहार पर भी फोकस करें। तो चलिए आज हम आपको उन आहार के बारे में बता रहे हैं जो आपकी आंखों के लिए काफी अच्छा है-

### कच्ची लाल शिमला मिर्च

शिमलामिर्च में विटामिन सी पर्याप्त मात्रा में होता है। यह आपकी आंखों की रक्तवाहिकाओं के लिए अच्छा है। वहीं लाल शिमलामिर्च से आपको विटामिन ए और विटामिन ई भी प्राप्त होता है, जो आपकी आंखों को तंदरूस्त बनाने में मदद करता है।

### सूरजमुखी के बीज और नट्स

सूरजमुखी के बीज और नट्स में विटामिन ई प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन ई के साथ-साथ जब अन्य पोषक तत्वों का सेवन किया जाता है तो इससे उम्र के होने वाली आंखों की कमजोरी को काफी हद तक रोका जा सकता है। इतना ही नहीं, यह मोतियाबिंद को रोकने में भी मददगार है। वैसे आप नट्स के साथ-साथ हेजलनट्स, मूंगफली और पीनटबटर का सेवन करके भी विटामिन ई पर्याप्त मात्रा में पा सकते हैं।

### हरी पत्तेदार सब्जियां

केल, पालक व अन्य हरी पत्तेदार सब्जियों में विटामिन सी और ई की भरपूर मात्रा पाई जाती है। इतना ही नहीं, इनमें कैरोटिनॉयड्स ल्यूटिन और जैक्सैंथिन भी होता है। साथ ही इनमें पाया जाने वाला विटामिन ए लंबे समय में आंखों की बीमारियों से भी व्यक्ति की रक्षा करता है।

### सैल्मन

आपकी आंखों के रेटिना को सही काम करने के लिए दो प्रकार के ओमेगा-3 फैटी एसिड की आवश्यकता होती है- डीएचए और ईपीए। आप फैटी फिश, जैसे सैल्मन, ट्यूना और ट्राउट व अन्य कई सी-फूड में इसे पा सकते हैं। वहीं इन फैटी एसिड के कम होने पर लोगों को डाई आंखों की समस्या का सामना करना पड़ता है।

शकरकंद में बीटा-कैरोटीन उच्च मात्रा में पाया जाता है, जो वास्तव में विटामिन ए का ही एक रूप है। यह आपके नाइट विजन को बेहतर बनाता है। वहीं एक शकरकंद से आपको दैनिक आवश्यकता की आधे से ज्यादा विटामिन सी की प्राप्ति होती है, वहीं इसमें कुछ मात्रा में विटामिन ई भी पाया जाता है। वैसे शकरकंद के अलावा गाजर, कैंटालूप, आम और खुबानी में भी बीटा-कैरोटीन उच्च मात्रा में होता है।

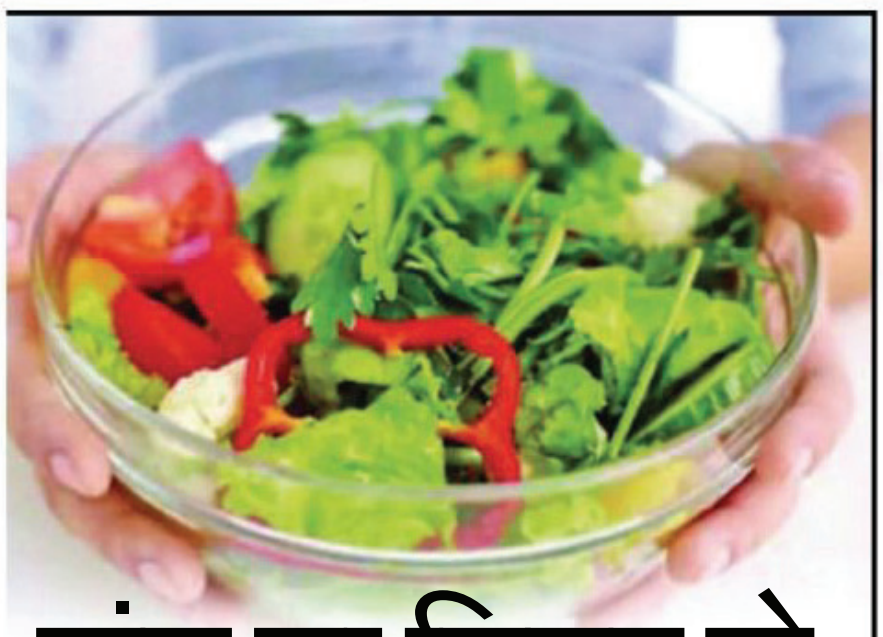

# लंच या डिनर से आधा घंटा पहले खाएं सलाद

**सलाद लगभग हर जगह खाई जाती है। हां इसके रूप अलग-अलग हो सकते हैं। कहीं उबालकर तो कहीं भूनकर. हमारे यहां सलाद को ताजा सब्जियों जैसे खीरा, टमाटर, मूली, गाजर और कच्ची प्याज आदि से तैयार किया जाता है। क्योंकि यह सलाद कच्चा होता है और प्याज के अलावा ज्यादातर चीजें ऐसी होती हैं, जिन्हें अलग से खाया जा सकता है। इसलिए हमारे यहां भोजन के साथ सलाद खाने को वर्जित माना गया है। ये और बात है कि यंग जनरेशन को अपनी ही परंपराओं को बारे में जरा कम पता है!**

सलाद खाना सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है। यह बात हम सभी जानते हैं। इसलिए फलों से लेकर सब्जियों और स्प्राउट्स की सलाद हमारे यहां खूब खाई जाती है। जबकि कुछ लोग या कहिए कि सलाद के शौकीन ज्यादातर लोग अपने शरीर को सलाद का पूरा पोषण नहीं दे पाते। क्योंकि उन्हें सलाद खाने का सही तरीका ही नहीं पता है.

### सलाद खाने का सही समय

सलाद हमेशा ही भोजन से पहले खानी चाहिए। जबकि लगभग 90 प्रतिशत लोग सलाद का सेवन खाने के साथ करते हैं। इससे उनके शरीर को सलाद का पूरा लाभ नहीं मिल पाता है। बल्कि कई बार डायजेशन से संबंधित समस्याएं हो जाती है।

### इतनी देर पहले खाएं

जब आपको भूख लगी हो या आपने जो भी अपने लंच और डिनर का समय तय कर रखा है, उससे कम से कम आधा घंटा पहले सलाद खा लें। इसके बाद लंच या डिनर लें। इससे आपके शरीर को पूरा पोषण मिलेगा और ओवर इटिंग से छुटकारा भी।

### वेट रहता है कंट्रोल

सलाद अगर सही तरीके से खाई जाए तो इससे वेट को कंट्रोल रखने में मदद मिलती है। यह हमारे पाचनतंत्र को सही रखती है और पेट साफ करने में मदद करती है। यह शरीर में एक्सट्रा फैट जमा होने से रोकती है और हमें ओवर ईटिंग से भी बचाती है। जिससे हमारा वजन नियंत्रित रहता है।

### सलाद के तरीके

आमतौर पर सलाद दो तरीके से बनाई जाती है। पहला तरीका का कच्चा सलाद, जिसमें आप फल और सब्जियों को काटकर मिक्स करते हैं और मसाला छिड़ककर सैलेड तैयार कर लेते हैं। जबकि दूसरा तरीका है वॉइल करके सैलेड तैया मेंं सब्जियों को उबालकर उनका पानी अलग करके सलाद तैयार किया जाता है। लेकिन आप कोई-सी भी सलाद खाए आपको इसे फुल मील के साथ नहीं खाना है।

### क्यों ना खाएं भोजन संग सलाद

सलाद चाहे जैसे भी बनाई गई हो। अगर यह फलों या सब्जियों से तैयार की गई है तो आमतौर पर इनकी प्रकृति ठंडी होती है (हम यहां किसी रेसिपी विशेष की बात नहीं कर रहे हैं। क्योंकि हर तरह के भोजन को एक साथ डिस्क्राइब या कंपेयर नहीं किया जा सकता) जबकि पका हुआ भोजन गर्म होता है। ऐसे में ठंडे गर्म का संगम, सिर्फ शरीर ही नहीं दांतों को भी हानि पहुंचाता है।

### पाचन में अधिक समय

सलाद तापमान में ठंडी होती है और भोजन तापमान में गर्म होता है। जब कच्चा और पका हुआ भोजन एक साथ खाया जाता है तो इससे हमारे पाचनतंत्र पर अधिक दबाव पड़ता है। क्योंकि इसे पचाने के लिए हमें अतिरिक्त ऊर्जा की जरूरत होती है। साथ ही ऐसा भोजन डायजेस्ट करने में अधिक समय भी लगता है, जिससे कई बार डायजेस्टिव सिस्टम गड़बड़ा जाता है।

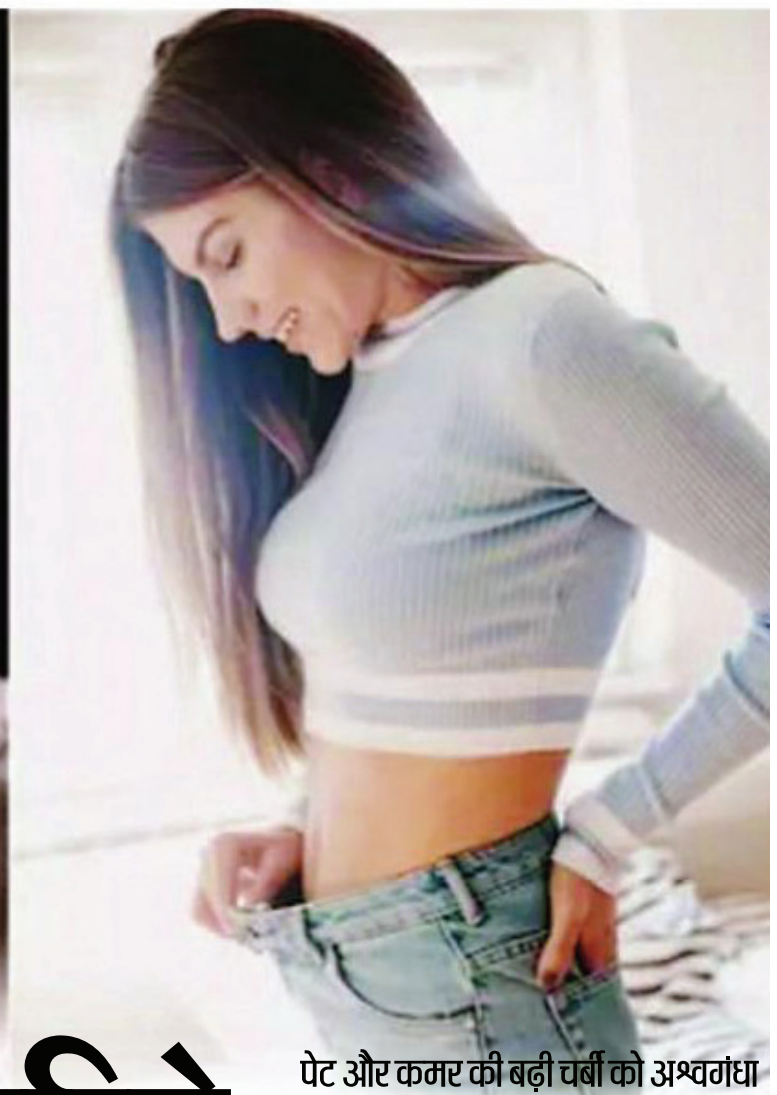

# अश्वगंधा के जरिये कम किया जा सकता है मोटापा

**पेट और कमर की बढ़ी चर्बी को अश्वगंधा के जरिये कम किया जा सकता है। इसे रोज दूध के साथ पीने से जल्द ही लाभ मिलेगा। इसे पावडर के रूप में या फिर कैप्सूल के रूप में लिया जा सकता है।**

दूध में 1 चम्मच अश्वगंधा मिला कर पीने से दूर हो जाता है मोटापा, जानें कैसे करता है कामजड़ी बूटियों का आयुर्वेद में बहुत महत्व है। इनमें कई प्रकार के औषधीय गुण पाये जाते हैं जो बीमारियों को ठीक करने में मदद करती हैं और शरीर को निरोगी बनाए रखती हैं। अश्वगंधा एक ऐसी ही जड़ी बूटी है जो न सिर्फ स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करती है बल्कि वजन घटाने में भी बहुत प्रभावी होती है। अश्वगंधा का उपयोग न सिर्फ आयुर्वेद बल्कि यूनानी, सिद्ध, अफ्रीकन और होमियोपैथिक चिकित्सा पद्धति में भी किया जाता है। अश्वगंधा अनिद्रा, चिंता, डिप्रेशन, यौन समस्याएं, कमजोरी और अर्थराइटिस जैसे रोगों को इलाज में उपयोगी है। इसके अलावा अतिरिक्त फैट को बर्न करने में भी अश्वगंधा बहुत फायदेमंद हैं। आइये जानते हैं वजन घटाने में अश्वगंधा के फायदे। तो अगर आप नेचुरल तरीके से वजन घटाने के बारे में सोच रहे हैं तो आपको अश्वगंधा का प्रयोग जरूर करना चाहिये.

### अश्वगंधा का सेवन कैसे करें

वैसे आपको बाजार में अश्वगंधा कैप्सूल के रूप में मिल जाएगा। लेकिन अश्वगंधा पाउडर अधिक फायदेमंद होता है। इसे लेने का तरीका बेहद आसान है। एक गिलास गुनगुने दूध में एक चम्मच अश्वगंधा पावडर और शहद मिलाकर रोजाना सेवन करने से मेटाबोलिज्म और पाचन बेहतर होता है। आप चाहें तो इसका टेस्ट बढ़ाने के लिये इसमें इलायची पावडर मिक्स कर सकते हैं। इससे मेटाबॉलिजिम तो बढ़ेगा ही साथ में पाचन भी मजबूत रहेगा।

### सुस्त पड़े मेटाबॉलिज्म को बढ़ाए

अश्वगंधा हमारे पाचन तंत्र को मजबूत करती है, जिससे शरीर में खाना अच्छी तरह से हजम होता है और मेटाबोलिज्म बढ़ता है। यह फैट को जल्दी जल्दी बर्न करने में मदद करती है। अगर आप घंटो जिम में एक्सरसाइज करते हैं और स्लो मेटाबॉलिज्म की वजह से मोटापा कम नहीं हो पा रहा है तो आज से ही अश्वगंधा लेना शुरू कर दें। इससे कम समय में ही मोटापा कम हो जाता है।

### स्ट्रेस दूर कर घटाए मोटापा

स्ट्रेस या कोर्टिसोल हार्मोन बढ़ने से मोटापा भी बहुत तेजी से बढ़ता है। नियमित रूप से अश्वगंधा चूर्ण का सेवन करने से इस हार्मोन को कम करने में मदद मिलती है। कोर्टिसोल बढ़ने की वजह से इंसान को बार बार भूख भी लगती है, जिससे मोटापा बढ़ता है। तनाव से मुक्ति मिलते ही पेट की चर्बी घटने लगती है।

### मांसपेशियां बनाने में

अश्वगंधा में ऐसे कई तत्व पाये जाते हैं जो मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। मसल्स मास बढ़ने से शरीर पर चर्बी नहीं जमती और वजन नियंत्रित रहता है।

### इम्यूनिटी बढ़ा कर घटाए मोटापा

अश्वगंधा में एंटी बैक्टीरियल गुण होता है जो शरीर की सूजन को कम करता है। इसके अलावा यह इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाता है जिसके कारण शरीर पर अतिरिक्त वसा जमा नहीं होती है और वजन नियंत्रित रहता है। यही नहीं अगर शरीर में सूजन है तो यह उसको भी कम करती है क्योंकि इसमें एंटी बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।

### वर्कआउट के लिये बढ़ाती है एनर्जी लेवल

अश्वगंधा एड्रिनल ग्लैंड और कोर्टिसोल लेवल को नियंत्रित करता है जिससे तंत्रिका तंत्र मजबूत होता है। इससे शरीर की एनर्जी बढ़ती है और थकान दूर होती है। ऐसे में जब आप भारी वर्कआउट करते हैं तो अश्वगंधा शरीर को एनर्जी से भर देता है। यही नहीं अश्वगंधा आयरन से भरपूर होता है जो ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता है

### अच्छी नींद लाए

रात को अगर आप अधूरी नींद लेते हैं तो न तो आपको मोटापा घटेगा और ऊपर से शरीर को तनाव, उच्च रक्त चाप जैसी बीमारियां और घेर लेंगी। रात में सोते वक्त आपका शरीर हारमोन्स को संतुलित करता है और स्ट्रेस हार्मोन को बढ़ने से रोकता है। इससे मोटापा कम करने में मदद मिलेगी।

ध्यान रखें अश्वगंधा का सेवन सीमित मात्रा में ही करें। अत्यधिक सेवन से न सिर्फ उल्टियां हो सकती हैं बल्कि पेट गड़बड़ हो सकता है। लो ब्लड प्रेशर वाले लोग इसे न खाएं। नींद न आने पर अश्वगंधा का इस्तेमाल कुछ हद तक सही है, लेकिन नींद बुलाने के लिए इसका नियमित सेवन नुकसानदेह साबित हो सकता है। इस प्रकार औषधीय गुणों से भरपूर होने के कारण अश्वगंधा बीमारियों को दूर करने के अलावा वजन कम करने में भी बहुत फायदेमंद है। नियमित एक चम्मच अश्वगंधा पाउडर का सेवन करने से जल्दी की फर्क नजर आता है।

## सार समाचार

## कोविशील्ड या कोवैक्सीन का टीका लगवा चुके लोग, बूस्टर के तौर पर कॉर्बेवैक्स की वैक्सीन ले सकते

नई दिल्ली । अगर आपने कोविशील्ड या कोवैक्सीन का टीका लगवा रखा हैं, तब अब आप बूस्टर के तौर पर कॉर्बेवैक्स की वैक्सीन लगवा सकते हैं। गौरतलब है कि मोदी सरकार ने कॉर्बेवैक्स वैक्सीन को 12-14 साल के बच्चों के लिए पहले ही मंजूरी दे चुकी है। इधर कोरोना के बढ़ते मामले के कारण दिल्ली में सख्ती भी बढ़ा दी गई है। राज्य में सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनना अनिवार्य किया गया है। केंद्र ने 18 साल से अधिक उम्र के उन लोगों को 'कॉर्बेवैक्स' टीके की बूस्टर खुराक देने को मंजूरी दे दी, जो कोविशील्ड या कोवैक्सीन टीके की दो खुराक ले चुके हैं। देश में ऐसा पहली बार हो रहा है, जब पहली और दूसरी खुराक के तौर पर दिए गए टीके से अलग किसी टीके को बतौर एहतियाती खुराक लगाने की अनुमति दी गई। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश सचिव ने राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को भेज पत्र में कहा है, कि तीसरी खुराक के लिए पात्र लोगों द्वारा 'कॉर्बेवैक्स' लेने के सिलसिले में कोविन पोर्टल में सभी जरूरी बदलाव किए हैं। उन्होंने कहा कि 18 साल से अधिक उम्र के जिन लोगों को कोवैक्सीन या कोविशील्ड की दूसरी खुराक लिए छह महीने या 26 सप्ताह हो गए हैं, उनके लिए कॉर्बेवैक्स एहतियाती खुराक के तौर पर उपलब्ध होगा। भूषण ने कहा, 'इससे इस उम्र वर्ग में एहतियाती खुराक के तौर पर कॉर्बेवैक्स का कोरोना के दूसरे टीके के तौर पर उपयोग होगा। उन्होंने कहा कि कोवैक्सीन और कोविशील्ड की तीसरी खुराक के संबंध में वर्तमान दिशानिर्देशों में कोई बदलाव नहीं है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इससे कोरोना के खिलाफ भारत की लड़ाई और मजबूत होगी। उन्होंने ट्वीट किया, भारत का स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय 18 साल से अधिक उम्र के उन लोगों के लिए एहतियाती खुराक के तौर पर कॉर्बेवैक्स का प्रस्ताव करता है, जिन्हें कोविशील्ड या कोवैक्सीन टीके लगे हैं और उनकी दूसरी खुराक के छह माह या 26 सप्ताह बीत गए हैं। यह प्रावधन 12 अगस्त से उपलब्ध होगा।' भारत का पहला स्वदेशी आरबीडी प्रोटीन सबयूनिट 'कॉर्बेवैक्स' टीका फिलहाल 12 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों को लगाया जा रहा है।

## राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता महिला पहलवान दिव्या का केजरीवाल सरकार ने किया अपमान

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार पर आरोप लगाया कि आप ने राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता दिव्या काकरान को कथित तौर पर निशाना बनाकर महिलाओं और खिलाड़ियों का अपमान किया है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि दिव्या ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के समक्ष कुछ सवाल उठाए,तब आप की सोशल मीडिया टीम ने उन्हें निशाना बनाना आरंभ कर दिया। जबकि उसके नेता सौरभ भारद्वाज ने तो उनका ''अपमान'' करते हुए उनसे प्रमाणपत्र दिखाने की मांग कर डाली। पहलवान दिव्या ने पिछले दिनों आरोप लगाया था कि दिल्ली निवासी होने और कई अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाएं जीतने के बावजूद उन्हें दिल्ली सरकार की तरफ से कभी कोई मदद नहीं मिली। पूनावाला ने पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि काकरान ने उसके बाद दिल्ली का प्रतिनिधित्व करने का प्रमाणपत्र भी दिया। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि जिन खिलाड़ियों ने तिरंगे के सम्मान के लिए अपना जी जान लगाने का काम किया, उनको प्रांतों में बांटकर आप अपमानित करने का दुस्साहस करती है। काकरान ने महिलाओं के 68 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में कांस्य पदक जीता था। उन्हें बधाई देने वालों में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी शामिल थे। लेकिन, रविवार को काकरान ने सिलसिलेवार ट्वीट करते हुए कहा कि सरकार ने कभी उनकी मदद नहीं की। उन्होंने केजरीवाल से भारद्वाज को सभी पदों से हटाने की मांग की।

## कश्मीरी पंडितों को नहीं मिला वेतन

जम्मू । प्रधानमंत्री पैकेज के तहत घाटी में नौकरी पाने वाले कश्मीरी पंडितों को 2 माह का वेतन नहीं मिला। कश्मीरी पंडित पिछले 91 दिन से धरने पर बैठे हैं। धरने पर बैठे कश्मीरी पंडितों की मांग है सरकार उनकी सुरक्षा नहीं कर पा रही है। अतः उनका ट्रांसफर कश्मीर घाटी से जम्मू किया जाए। सरकार ने केवल 5 कर्मचारियों के ट्रांसफर किए हैं। जिसके कारण कश्मीरी पंडित कर्मचारी धरने पर डटे हुए हैं। सरकार ने कश्मीरी पंडित कर्मचारियों का ट्रांसफर घाटी में ही सुरक्षित स्थानों पर किया है। हिंदुओं की हत्याओं का सिलसिला घाटी में नहीं रुक रहा है। जिसके कारण कश्मीरी पंडित कर्मचारी नवीन स्थान पर भी ड्यूटी ज्वाइन नहीं कर रहे हैं। धरना पर बैठे कर्मचारियों ने वहां जॉइनिंग नहीं दी है। जिसके कारण अब उन्हें वेतन भी नहीं मिल पा रहा है। 2 माह का वेतन नहीं मिलने से कश्मीरी पंडित कर्मचारी आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं।

## गुजरात, मप्र, महाराष्ट्र, झारखंड, प. बंगाल व ओडिशा में भारी बारिश का अनुमान

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में झमाझम बारिश हो रही है। झारखंड, पश्चिम बंगाल व ओडिशा समेत कई राज्यों में भारी बारिश का अनुमान जताया गया है। ओडिशा में 13 अगस्त तक बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग ने रेड अलर्ट भी जारी किया है। इसके अलावा, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में भी कुछ जगहों पर तेज बारिश का पूर्वानुमान लगाया गया है। दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। 25 से 35 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। बहुत ही हल्की वर्षा या बूंदाबांदी होने के आसार हैं। अधिकतम एवं न्यूनतम पारा क्रमशः 35 व 28 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। स्काईमेट वेदर के मुताबिक गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, कोंकण, गोवा और तटीय कर्नाटक में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। छत्तीसगढ़, केरल, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हल्की से मध्यम बारिश के साथ एक या दो स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। केरल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के कुछ हिस्सों, गंगीय पश्चिम बंगाल, ओडिशा, पंजाब, हरियाणा और पूर्वी राजस्थान में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। पूर्वोत्तर भारत, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, जम्मू कश्मीर लद्दाख, उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों, बिहार, तटीय ओडिशा, आंतरिक कर्नाटक और लक्षद्वीप में हल्की बारिश संभव है। पंजाब के कई इलाकों में मौसम का मिजाज अच्छा रहने का अनुमान है। ज्यादातर इलाकों में बादल छाएंगे और कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा का भी अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक मध्य प्रदेश में 2-3 दिन अच्छी बारिश होने की संभावना है। वहीं पूर्वी मध्य प्रदेश के कई जिलों में अधिक बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने इंदौर, उज्जैन और नर्मदापुरम संभाग के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं भोपाल और जबलपुर संभाग के जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम, भोपाल, शहडोल, जबलपुर, सागर, रीवा, चंबल और ग्वालियर संभाग में गरज और चमक के साथ बिजली गिरने की संभावना है। राजधानी भोपाल में भी लगातार बारिश की का दौर जारी है।

## ट्राइब्यूनल कोर्ट के आदेश पर सड़क दुर्घटना में बेटे की मौत पर मां को मिलेगा 3 करोड़ रुपए का मुआवजा

मुंबई । महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में भीषण सड़क दुर्घटना क मां ने अपने बेटे को खो दिया था। अब ट्राइब्यूनल कोर्ट के आदेश पर महिला की 3 करोड़ रुपये मुआवजा मिलेगा। यह मुआवजा बीमा कंपनियां ट्राइब्यूनल कोर्ट के आदेश के बाद देंगी। यह दुर्घटना दावा अब तक किए गए सबसे अधिक भुगतान में से एक होगा। महिला का बेटा कोटेक महिंद्रा बैंक में अधिकारी के पद पर था। 2016 में मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर एक कार और उसके वाहन की टक्कर से युवक की मौत हो गई थी। मामला भांडुप की 65 वर्षीय महिला से जुड़ा है। भूषण जाधव अपने परिवार के साथ हाइवे के किनारे बने एक गांव में गए थे, जहां उनके रिश्तेदार रहते हैं। उनके परिवार के लोग रिश्तेदारों से मिलने चले गए, जबकि भूषण और उनके पिता कार में ही बैठे थे। परिवार पालघर जा रहा था। भूषण (38) बैंक में सहायक उपाध्यक्ष था, वह 2 लाख रुपये मासिक वेतन कमा रहा था। उसकी शादी होने वाली थी। यह मानते हुए कि यह समग्र लापरवाही का मामला था, ट्राइब्यूनल ने आपत्तिजनक कार, महिंद्रा पिकअप की बीमा कंपनी, मालिक और ड्राइवर को 70 फीसदी देयता वहन करने का निर्देश दिया। जिस इनोवा कार में पीड़ित यात्रा कर रहा था, उसके बीमाकर्ता, चालक और मालिक को शेष 30 फीसदी मुआवजे का भुगतान करना है। ट्राइब्यूनल ने माना कि इनोवा को लापरवाही से एक राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे खड़ा किया गया था। ट्राइब्यूनल ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे वाहन पार्क करना सभी के लिए खुला नहीं है, जिस पर वाहन तेज गति से चलाया जा रहा है। इसलिए, चूंकि इनोवा वाहन के चालक ने अपना वाहन राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे खड़ा किया, इसलिए कुछ हद तक वह दुर्घटना के लिए भी जिम्मेदार है। ट्राइब्यूनल ने हालांकि कहा कि महिंद्रा पिकअप मुख्य रूप से जिम्मेदार था। कहा, 'मौजूदा मामले में, दुर्घटना दिन के उजाले में लगभग 8:30 बजे हुई। प्रासंगिक समय पर, वह तेज गति में था। उस घटना में, वह अपने वाहन को नियंत्रित करने में असमर्थ था और कार के पिछले हिस्से को टक्कर मार दी। इनोवा कार उसे बहुत दूर से दिखाई दे रही थी फिर भी वह अपने वाहन को नियंत्रित नहीं कर सका।

# रेवड़ी कल्चर पर सियासत जारी, केंद्र पर निशाना साधते हुए केजरीवाल बोले- सैनिकों और गरीबों के लिए पैसा नहीं, दोस्तों का माफ किया कर्ज

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

देश में फ्री की पॉलिटिक्स पर जबरदस्त तरीके से सियासत जारी है। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश में एक सभा में रेवड़ी कल्चर को देश के लिए हानिकारक बताया था। उसके बाद से अरविंद केजरीवाल जबरदस्त तरीके से केंद्र सरकार पर हमलावर हैं। आज एक बार फिर से उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि केंद्र जिस तरह से लोगों के लिए मुफ्त योजनाओं का विरोध कर रहा है, उससे ऐसा लगता है कि उसकी वित्तीय स्थिति गंभीर है। उन्होंने दावा किया कि केंद्र ने मित्रों का कर्ज माफ किया, धनी लोगों के पांच लाख करोड़ रुपये के कर माफ किए हैं।

केजरीवाल ने कहा कि हर रोज डीजल-पेट्रोल से टैक्स पर 1,000 करोड़ रुपए की आमदनी होती है। ये सारा पैसा कहां गया? वे (केंद्र सरकार) कह रहे हैं कि जनता को जितनी भी मुफ्त की सुविधाएं मिलती है वो बंद होनी चाहिए। सरकारी स्कूलों और अस्पतालों में फीस ली जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अग्निपथ योजना जब लेकर आए तो कहा गया कि इसको लाने की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि सैनिकों के पेंशन का खर्च इतना बढ़ गया कि केंद्र सरकार उसको बर्दाश्त नहीं कर पा रही। आज़ादी के बाद पहली बार ऐसा हो रहा है कि कोई सरकार ऐसा कह रही है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों से जिस तरह से जनता को मुफ्त में मिलने वाली सुविधाओं का विरोध किया जा रहा है कहा जा रहा है कि सारी मुफ्त की सुविधाओं को बंद किया जाए। केजरीवाल ने सवाल किया कि क्या केंद्र सरकार की आर्थिक हालत ज्यादा खराब तो नहीं हो गई है?

आप नेता ने सवाल करते हुए पूछा कि कहां गया केंद्र का सारा पैसा? वे इस सरकारी पैसे से अपने दोस्तों का कर्ज माफ कर रहे हैं। उन्होंने अपने अरबपति दोस्तों के टैक्स भी माफ कर दिए हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बहस्पतिवार को कहा कि केंद्र जिस तरह से लोगों को मुफ्त सुविधाएं दिए जाने का 'कड़ा विरोध' कर रहा है, उससे लगता है कि उसकी वित्तीय स्थिति कुछ गड़बड़ है। रक्षा भर्ती योजना अग्निपथ, केंद्रीय करों में राज्यों की हिस्सेदारी 42 फीसदी से घटाकर 29 फीसदी करने, खाद्य पदार्थों पर लगाए गए माल एवं सेवा कर (जीएसटी) और मनरेगा कोष में 25 फीसदी कटौती का हवाला देते हुए केजरीवाल ने पूछा कि सारा पैसा कहां जा रहा है?

## दिल्ली में कानून-व्यवस्था की 'खराब स्थिति' पर भाजपा क्या बहाना बनाएगी: चिदंबरम

**नयी दिल्ली।** कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने दिल्ली में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि वह, राष्ट्रीय राजधानी में अपराध की स्थिति 'चिंताजनक ढंग से खराब होने' को लेकर क्या बहाना बनाएगी? दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इस साल के शुरुआती साढ़े छह महीनों में पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में 17 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है और बलात्कार के रोजाना छह मामले दर्ज किए गए हैं। पूर्व गृह मंत्री चिदंबरम ने ट्वीट किया, ''दिल्ली में इस साल 15 जुलाई तक बलात्कार के 1100 मामले दर्ज किए गए। इसका मतलब है कि प्रतिदिन पांच मामले दर्ज किए गए।'' उन्होंने सवाल किया, '' दिल्ली में कानून-व्यवस्था केंद्र सरकार के अंतर्गत है।

# मोदी सरकार को घेरने की तैयारी में कांग्रेस

## महंगाई-बेरोजगारी को लेकर रामलीला मैदान में करेगी हल्ला बोल रैली

**नई दिल्ली। (एजेंसी)।**

कांग्रेस महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरने के मकसद से आगामी 28 अगस्त को दिल्ली के रामलीला मैदान में महंगाई पर हल्ला बोल रैली का आयोजन करेगी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश के अनुसार, इस रैली से पहले 17 अगस्त से 23 अगस्त के बीच देश के सभी विधानसभा क्षेत्रों की मंडियों, खुदरा बाजारों और अन्य कई स्थानों पर महंगाई चौपाल आयोजित की जाएगी। उन्होंने एक बयान में कहा, कांग्रेस ने गत पांच अगस्त को मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आंदोलन किया जिसके साथ लोगों ने खुद को जोड़ा। प्रधानमंत्री ने हताशा में आकर इसे काला जादू बताने का प्रयास किया जो इस बात को दर्शाता है कि भाजपा सरकार आसमान छूती महंगाई और बेरोजगारी पर अंकुश लगाने में नाकाम रही है।

रमेश के अनुसार, कांग्रेस महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ अपनी लड़ाई को आने वाले हफ्तों में और तेज करेगी। उन्होंने कहा, कांग्रेस 17 अगस्त से 23 अगस्त के बीच देश के सभी विधानसभा क्षेत्रों में मंडियों, खुदरा बाजारों और अन्य कई स्थानों पर महंगाई चौपाल आयोजितकरेगी। इसका समापन 28 अगस्त को रामलीला मैदान में महंगाई पर हल्ला बोल रैली के साथ होगा। इस रैली को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता संबोधित करेंगे। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि रामलीला मैदान की रैली को पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी संबोधित करेंगे। रमेश ने बताया कि इस रैली से इतर प्रदेश कांग्रेस कमेटियां राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर महंगाई पर हल्ला बोल - चलो दिल्ली कार्यक्रम का आयोजन करेंगी।

उन्होंने दावा किया, भारत के लोग मोदी सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन का खामियाजा भुगत रहे हैं। दही, छाछ, पैक की गई खाद्य वस्तुएं जैसे आवश्यक सामानों पर अत्यधिक करों के कारण महंगाई बढ़ रही है, जबकि सार्वजनिक सम्पत्तियों को मित्र पूंजीपतियों को हस्तांतरित करने और सेना में भर्ती की दिशाहीन अग्निपथ योजना जैसे कदमों से रोजगार की स्थिति बद से बदतर हो रही है। उन्होंने कहा, कांग्रेस इन जनविरोधी नीतियों पर लोगों में जागरूकता फैलाती रहेगी और भाजपा सरकार पर उसकी गलत नीतियों को बदलने के लिए दबाव बढ़ाएगी।

## महाराष्ट्र के नेता का दावा, नीतिश फिर से कभी भी पाला बदल सकते हैं

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

राजनीतिक गलियारों में इनदिनों सिर्फ और सिर्फ बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की चर्चा है। भाजपा से नाता तोड़ कर उन्होंने राजद के साथ हाथ मिला लिया। लेकिन अब भी कई नेताओं को लगता है कि नीतीश कभी भी पाला बदल सकते हैं। दरअसल पिछले पांच साल में उन्होंने दो बार पलटी मार का राज्य में राजनीतिक भूचाल खड़ा कर दिया है। महाराष्ट्र के मंत्री दीपक केसरकर ने कहा है कि नया गठबंधन सिर्फ एक फेज है और नीतीश कभी भी अपना फैसला पलट सकते हैं। केसरकर ने कहा, ये सिर्फ एक फेज है, मेरा मतलब ये नहीं है, कि मैं सीएम नीतीश कुमार की आलोचना कर रहा हूं। वहां एक वरिष्ठ राजनेता हैं जिन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में राज्य की अच्छी सेवा की है। लेकिन अगर उन्हें लगता है कि उन्होंने गलत पार्टी चुनी है, तब वहां अपने फैसले पर पुनर्विचार कर सकते हैं। यह अभूतपूर्व नहीं है। भारतीय जनता पार्टी के नेता सुशील कुमार मोदी ने कहा कि बिहार की नई सरकार 2025 में अपना कार्यकाल पूरा करने से पहले ही गिरेगी। मोदी ने राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भारतीय जनता पार्टी से नाता तोड़ने और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेतृत्व वाले महागठबंधन का नेता चुने जाने के एक दिन बाद यह बात कही। सुशील मोदी ने कहा कि जनता दल यूनाइटेड (जदयू) प्रमुख नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को वोट देने वाली बिहार की जनता का अपमान किया है। हालांकि भाजपा के दावों को खारिज कर नीतीश कुमार ने कहा कि 2015 में जैसे हमलोग साथ थे, फिर हो गए और बिहार के हित में काम करने वाले हैं। जदयू के खिलाफ रची गई भाजपा की कथित साजिश की ओर इशारा करते हुए नीतीश ने कहा, '2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में जदयू के साथ क्या हुआ था। मैं 2020 में मुख्यमंत्री नहीं बनना चाहता था। आप सभी साक्षी हैं कि तब से क्या हो रहा था।

## अयोध्या जमीन घोटाला खतौनी लेकर घूम रहे भूस्वामी अवैध कब्जेदार बने करोड़पति

**नयी दिल्ली।(एजेंसी)।**

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के साथ राजस्व अभिलेखों में हेराफेरी कर जमीनों को हथियाने का खेल अधिकारियों व कर्मचारियों की मिलीभगत से किया जा रहा है। खेल में वास्तविक भूस्वामी खतौनी लेकर घूम रहे हैं और अवैध कब्जेदार करोड़ों का सौदा कर कब्जा दूसरों के हवाले कर दे रहे हैं। सरयू विकास समिति के अध्यक्ष अवधेश कुमार सिंह ने इसकी शिकायत जिला प्रशासन से लेकर मुख्यमंत्री पोर्टल तक की लेकिन कार्यवाही नहीं हुई। इस शिकायत में राजस्व अभिलेखों में हेराफेरी की भी सूचना साक्ष्य सहित संलग्न की गई है लेकिन अधिकारियों व कर्मचारियों की मिलीभगत के कारण शासन को गुमराह किया जा रहा है। मांझा जमथरा के खेवट संख्या एक में अक्षय बीबी के नाम से 1345 फसली व 1365 फसली के अभिलेखों में महज 11 बीघा 18 बिस्वा भूमि दर्ज थी। इसमें हेराफेरी कर इस खाते में छह सौ बीघा भूमि दर्ज कर दी गई है। इसी तरह जमीन के कई खातों में हेराफेरी कर फर्जी खतौनी बनाई जा रही हैं और बैनामा कर जमीन की बाउंड्री कराकर कब्जा भी हस्तान्तरित कर दिया जा रहा हैं। इसी तरह खेवट संख्या 15 के गाटा संख्या एक व 57/ 460 में क्रमशः 78 व 25 बीघा जमीन है। इसकी भी फर्जी खतौनी बनाकर लाखों में जमीन बेच दी गई। बताया गया कि मांझा जमथरा में गाटा संख्या एक में 12 सौ बीघा जमीन है। जबकि गाटा संख्या 57 में दो हजार बीघा जमीन है। इस तरह के संयुक्त खातों के चलते भूस्वामी भटक रहे हैं। राम मंदिर से करीब दो सौ मीटर दूर मांझा जमथरा में आजादी के बाद से चकबंदी नहीं हुई है। इस बीच डूब क्षेत्र की नवैय्यत भी बदल चुकी है जिसके कारण भूमाफियाओं की पौ बारह है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद से जमीनों के भाव आसमान छूने लगे है और बड़े-बड़े निवेशक जमीनों में निवेश कर रहे हैं।

# गालीबाज नेता श्रीकांत त्यागी को कोर्ट से राहत नहीं, खारिज की जमानत याचिका

**नोएडा (एजेंसी)।**

यूपी के नोएडा में विगत दिनों एक महिला से बहसलूकी मामले में गालीबाज नेता श्रीकांत त्यागी को कर्ठ से राहत नहीं मिली है। कोर्ट ने श्रीकांत त्यागी की जमानत अर्जी को खारिज कर दी है। बताया गया कि महिला से मारपीट-दुर्व्यवहार मामले में श्रीकांत त्यागी की जमानत याचिका खारिज हुई। 16 अगस्त को धारा 420 (धोखाधड़ी और बेईमानी से संपत्ति की सुपुर्दगी) के तहत एक अन्य मामले में सुनवाई होगी।

इससे पहले नोएडा की एक अदालत ने एक महिला से बदसलूकी करने के मामले में गिरफ्तार तथा धोखाधड़ी सहित विभिन्न मामलों में आरोपी श्रीकांत त्यागी की जमानत याचिका पर अपना फैसला बुधवार को सुरक्षित रख लिया था। त्यागी को मंगलवार को मेरठ से गिरफ्तार किया गया था और उसे अदालत में पेश किया था, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। त्यागी के वकील सुशील भाटी ने बताया कि उन्होंने बुधवार को जमानत याचिका अदालत में दाखिल की थी। त्यागी के साथ उसके तीन और साथी भी गिरफ्तार हुए थे।

गौरतलब है कि सेक्टर 93-बी स्थित ग्रैंड ओमेक्स सोसायटी में रहने वाली एक महिला ने सोसायटी में नियमों के उल्लंघन का हवाला देते हुए श्रीकांत त्यागी द्वारा कुछ पेड़ लगाने पर आपत्ति जताई थी जिसके बाद त्यागी ने महिला से कथित तौर पर अभद्र व्यवहार किया और उसे धक्का भी दिया था। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया परपोस्ट हुआ था। श्रीकांत त्यागी खुद को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से संबद्ध बताता है, जबकि पार्टी ने उससे दूरी बनाए रखी है। मामले को लेकर विपक्षी दलों ने भाजपा पर निशाना साधा है। विपक्षी दलों ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा तथा पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ त्यागी की कथित तस्वीरें भी साझा की हैं।

# दिल्ली में डराने लगा कोरोना, मास्क पहनना हुआ अनिवार्य, नहीं लगाने पर 500 रुपये का जुर्माना

**नयी दिल्ली, (एजेंसी)।**

दिल्ली में एक बार फिर से कोरोना काल के दौरान लगी पाबंदियों की वापसी दिखाई दे रही है। दरअसल, पिछले 2 सप्ताह में दिल्ली में कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। यही कारण है कि दिल्ली में सभी सार्वजनिक जगहों पर मास्क को अनिवार्य कर दिया गया है। मास्क नहीं पहनने पर पकड़े जाने की स्थिति में 500 रुपये का जुर्माना भी देना होगा। हालांकि, निजी कार में सवार लोगों को मस्त ना पहनने पर यह जुर्माना नहीं देना होगा। आपको बता दें कि दिल्ली में लगातार कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है।

जानकारी के मुताबित दिल्ली सरकार ने सभी सार्वजनिक स्थानों पर फेस मास्क पहनना अनिवार्य किया। उल्लंघन करने वालों पर 500 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। अधिसूचना के इस प्रावधान के तहत निजी चार पहिया वाहनों में एक साथ यात्रा करने वाले व्यक्तियों पर जुर्माना लागू नहीं होगा। दिल्ली में बुधवार को कोविड-19 के 2,146 नए मामले सामने आए और आठ मरीजों की मौत हो गई जबकि संक्रमण दर 17.83 प्रतिशत रही। राष्ट्रीय राजधानी में 180 दिन के बाद कोविड-19 के कारण इतने मरीजों की मौत हुई है। इससे पहले 13 फरवरी को दिल्ली में कोविड-19 के कारण 12 मरीजों की मौत हुई थी। बुलेटिन के अनुसार दिल्ली में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या 8,205 है। दिल्ली में 5,549 मरीज घर पर ही रहकर अपना इलाज करवा रहे हैं।

### 16,299 नए मामले

भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 16,299 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,42,06,996 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 1,25,076 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बृहस्पतिवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में संक्रमण से 53 और लोगों की मौत होने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 5,26,879 हो गई। इन 53 मामलों में वे चार लोग भी शामिल हैं, जिनके नाम संक्रमण से मौत के आंकड़ों का पुनर्मिलान करते हुए केरल ने संक्रमण से हुई मौत की सूची में डाले हैं।